DBD
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है
मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित
दो बजे दोपहर

ब्लैक फ्राइडे

बस हादसे में 15 की मौत, 20 से ज्यादा घायल

बाइक सवार को बचाने के दौरान बस रेलिंग से टकराकर पलटी

डीबीडी संवाददाता | गोंदिया

महाराष्ट्र के गोंदिया में शुक्रवार दोपहर बस हादसे में 15 यात्रियों की मौत हो गई। 20 से ज्यादा यात्री घायल हैं। इनमें भी कई घायलों को हालत गंभीर है। पुलिस के मुताबिक, महाराष्ट्र राज्य परिवहन महामंडल की शिवशाही बस (MH 09 EM 1273) भंडारा से गोंदिया आ रही थी। बस दोपहर करीब 12.30 बजे के करीब गोंदिया से 30 किमी पहले खजरी गांव के पास पलट गई।

बस ड्राइवर मौके से फरार

पूछताछ में सामने आया कि बाइक सवार अचानक से बस के सामने आ गया था। उसे बचाने के फेर में ड्राइवर का बस से कंट्रोल छूट गया और अनियंत्रित बस रेलिंग से टकराकर पलट गई। घटना के बाद बस ड्राइवर मौके से भाग निकला।

पीएम मोदी, कार्यवाहक सीएम शिंदे और फडणवीस ने घटना पर जताया दुख

घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पीएम मोदी, महाराष्ट्र के कार्यवाहक सीएम एकनाथ शिंदे, देवेंद्र फडणवीस ने घटना पर दुख जताया है। शिंदे ने मृतकों के परिवार को 10-10 लाख रुपए मुआवजे का ऐलान किया।

शांतता! ड्रामा चालू आहे...

ऐन वक्त पर टली महायुति की मीटिंग, मुंबई छोड़ सतारा गए कार्यवाहक सीएम शिंदे

अमित बृज | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के नतीजे आए 6 दिन हो चुके हैं। 26 नवंबर को विधानसभा का कार्यकाल भी पूरा हो चुका है। कौन सरकार बनाएगा, ये भी तय है। लेकिन मुख्यमंत्री किसे बनाया जाए, ये फाइनल ही नहीं हो पा रहा। 6 दिन से अलग-अलग बैठकों का सिलसिला चल रहा है। गुरुवार को दिल्ली में गृह मंत्री के घर पर देर रात महायुति की बैठक हुई। इसमें देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे और अजित पवार शामिल हुए। 2 घंटे चली बैठक के बाद भी कुछ तय नहीं हो पाया। शुक्रवार को मुंबई में महायुति की दो बैठकें होनी थीं। ऐन वक्त पर इन्हें कैंसिल कर दिया गया। इस बीच एकनाथ शिंदे अचानक सतारा में अपने गांव चले गए। उनके इस कदम से कई बातों को हवा मिली। ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि CM पद का दावा छोड़ने के बाद शिंदे नई सरकार के गठन के फॉर्मूले को लेकर खुश नहीं हैं। हालांकि, शिवसेना नेता उदय सामंत का कहना है कि शिंदे कोई नाराजगी नहीं है, वो किसी काम से अपने गांव गए हैं। उनके शनिवार तक लौटने की उम्मीद है।

आइए जानते हैं महाराष्ट्र की सियासत में क्या चल रहा? आखिर विधानसभा चुनाव में टॉप करने के बाद भी BJP नए CM का नाम तय करने में इतना समय क्यों ले रही है? क्या अजित पवार और एकनाथ शिंदे वाकई नई सरकार के गठन को लेकर बनाए गए फॉर्मूले से सहमत नहीं हैं?

पहले जान लीजिए चुनाव का क्या था रिजल्ट?

महाराष्ट्र की 288 सीटों पर एक ही फेज में 20 नवंबर को वोटिंग हुई। 23 नवंबर 2024 को रिजल्ट आया। BJP 149 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। उसने 132 सीटें जीतीं। महायुति के दूसरे दल शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) ने 57 और NCP(अजित पवार गुट) ने 41 सीटों पर जीत हासिल की है। कुल मिलाकर BJP+शिंदे गुट+अजित पवार गुट के गठबंधन ने 288 सीटों में से रिकॉर्ड 230 सीटें जीती हैं। महाविकास अघाड़ी यानी कांग्रेस+शरद पवार गुट+उद्धव ठाकरे गुट ने मिलाकर 46 सीटों पर जीत हासिल की। कांग्रेस के हाथ में 16 सीटें आईं। शरद पवार गुट को 10 और उद्धव ठाकरे गुट को 20 सीटें मिलीं। इस चुनाव में BJP का स्ट्राइक रेट 88% रहा। वोट शेयर में भी इजाफा हुआ है। पार्टी का वोट शेयर 26।77% हो गया है। 2019 के चुनाव में उसका वोट शेयर 26।10% था। इस चुनाव में BJP को 27 सीटों का फायदा हुआ है। वहीं, कांग्रेस, उद्धव गुट और शरद गुट को अच्छा-खासा नुकसान पहुंचा है।

फिर एकनाथ शिंदे ने किया 'त्याग'

चुनाव में भारी जीत के बाद माना जा रहा था कि देवेंद्र फडणवीस ही CM बनेंगे। दूसरी तरफ, एकनाथ शिंदे के लिए भी जोर आजमाइश की जा रही थी। जबकि अजित पवार ने अपने पत्ते नहीं खोले थे। इसी बीच एकनाथ शिंदे ने 27 नवंबर को बड़ा त्याग कर दिया। उन्होंने महाराष्ट्र के CM पद का दावा छोड़ दिया और कहा कि PM मोदी-अमित शाह का जो भी फैसला लेंगे, वो हमें स्वीकार है।

28 नवंबर को अमित शाह के घर पर हुई महायुति की बैठक

इसके बाद बुधवार यानी 28 नवंबर को दिल्ली में अमित शाह के घर पर महायुति की बैठक हुई। बैठक की बातें तो सामने नहीं आईं। लेकिन सूत्रों के हवाले से कई दावेदार सामने जरूर आ गए।

शिवसेना ने CM के बदले गृह और वित्त मंत्रालय मांगा

शिवसेना मुख्यमंत्री पद के बदले गृह और वित्त मंत्रालय मांग रही है। इसलिए मुंबई में शुक्रवार को होने वाली महायुति (भाजपा+शिवसेना शिंदे गुट+NCP अजित पवार) की अहम बैठक टाल दी गई। सूत्रों के मुताबिक कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे अचानक सातारा चले गए हैं। अब महायुति की बैठक 1 दिसंबर रविवार को होने के आसार हैं। रविवार सुबह तक भाजपा के 2 पर्यवेक्षक दिल्ली से मुंबई आएंगे। इनकी मौजूदगी में भाजपा विधायक दल की मीटिंग होगी। इसमें 2 ऑब्जर्वर्स की मौजूदगी में मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान किया जाएगा। भाजपा मराठा चेहरे पर भी विचार कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक, उसके बाद 5 दिसंबर को मुंबई के आजाद मैदान में शपथ ग्रहण समारोह हो सकता है।

क्या शिंदे डिप्टी सीएम बनना चाहेंगे?

इसकी संभावना बहुत कम लगती है। शिवसेना नेता संजय शिरसाट ने भी शुक्रवार को मीडिया के एक सवाल पर कहा कि अगर एकनाथ शिंदे डिप्टी सीएम का पद स्वीकार नहीं करते हैं, तो पार्टी से ही दूसरा चेहरा ये पद संभालेगा। मुझे नहीं लगता कि वे डिप्टी सीएम का पद स्वीकार करेंगे।

बीजेपी सीएम का नाम तय करने में इतना समय क्यों ले रही?

माना जा रहा है कि सीएम चुनने में जातीय गणित को ख्याल रखा जाएगा। 288 सीटों की विधानसभा में मराठा समुदाय के विधायक बड़ी संख्या में हैं, जबकि देवेंद्र फडणवीस ब्राह्मण हैं। ऐसे में बीजेपी सारे समीकरण मिलाकर देख लेना चाहती है। भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री पद के लिए देवेंद्र फडणवीस के अलावा कुछ और नेताओं के नाम भी लिए जाने लगे हैं। इनमें अन्य पिछड़ा वर्ग से आने वाले प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले और मराठा समुदाय से आने वाले पुणे के सांसद एवं केंद्र सरकार में मंत्री मुरलीधर मोहोल का नाम भी शामिल है। वैसे इन सबके बाद भी फडणवीस के सीएम बनने की संभावना ज्यादा है।

शिंदे ने अपनी बात कह दी, लेकिन अजित पवार का क्या?

महायुति में तीसरे साथी अजित पवार को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने अभी तक अपने पत्ते नहीं खोले हैं। बेशक CM की रेस से शिंदे ने अपने पैर पीछे खींच लिए हों, लेकिन अजित पवार ने ऐसा कुछ बयान नहीं दिया है। गुरुवार को अमित शाह के घर हुई बैठक में अजित पवार भी शामिल हुए थे। सूत्रों के मुताबिक, अजित पवार भी फडणवीस के पक्ष में बताए जा रहे हैं। लेकिन उन्होंने अपनी भी लिस्ट दी है, जिसपर विचार किया जा रहा है।

मुंबई में पारा गिरकर 16.5 डिग्री पर पहुंचा

नवंबर में टूटा पिछले आठ सालों का रिकॉर्ड

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में लोगों को अब सर्दी का अनुभव होने लगा है। महानगर का पारा गुरुवार रात को लुढ़ककर 16.5 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने शुक्रवार को कहा कि मुंबई में न्यूनतम तापमान 16.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले आठ वर्षों में नवंबर में सबसे कम है। रिपोर्ट के मुताबिक यह तापमान सांताक्रूज वेधशाला की ओर से गुरुवार (28 नवंबर) रात से शुक्रवार (29 नवंबर) की सुबह तक का दर्ज किया गया। आईएमडी मुंबई की वैज्ञानिक सुषमा नायर ने कहा, 'इससे पहले, इस मौसम केंद्र ने 11 नवंबर 2016 को न्यूनतम तापमान 16.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया था।'

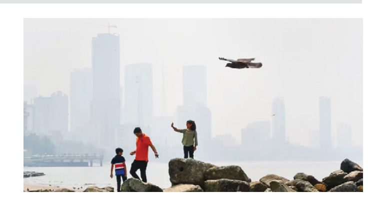

महाराष्ट्र के लिए अभी शीत लहर की चेतावनी नहीं

सांताक्रूज़ वेधशाला मुंबई के उपनगरों के लिए मौसम पैरामीटर को रिकॉर्ड करती है। महानगर में कोलाबा वेधशाला, जो द्वीप शहर के लिए मौसम के मापदंडों को रिकॉर्ड करती है, ने उसी अवधि के दौरान न्यूनतम तापमान 21.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। सुषमा नायर ने कहा कि 30 नवंबर से 3 दिसंबर तक महाराष्ट्र के लिए कोई शीत लहर की चेतावनी नहीं है और तापमान बढ़ना तय है।

पोर्नोग्राफी मामला : शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा के घर पर ईडी का छापा

▸▸ मुंबई से यूपी तक रेड

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी के पति प्रोड्यूसर राज कुंद्रा के घर प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने छापा मारा है। ये छापा एक्ट्रेस के सांताक्रूज में स्थित घर पर मारा गया है। ईडी के ऑफिसर 29 नवंबर की सुबह 6 बजे ही शिल्पा शेट्टी के घर पहुंच गए। ये छापेमारी पोर्नोग्राफी मामले में की गई है। हालांकि, केवल राज कुंद्रा ही नहीं बल्कि पोर्नोग्राफी मामले से जुड़े कई लोगों पर ईडी की छापेमारी हुई है। इससे पहले भी शिल्पा शेट्टी के पति की पोर्नोग्राफी मामले में गिरफ्तारी हो चुकी है।

2021 में हुई थी गिरफ्तारी

साल 2021 में राज कुंद्रा पर कथित तौर पर पोर्नोग्राफी मामले से जुड़े होने का आरोप लगाया गया था, जिसके चलते उन्हें गिरफ्तार किया गया था। राज कुंद्रा 2 महीने तक जेल की सलाखों के पीछे रहे और आखिर में सितंबर साल 2021 से बेल पर बाहर हैं। ED के ऑफिसर ने बताया कि राज कुंद्रा के घर के साथ-साथ उनके ऑफिस और उनके सहयोगियों के यहां भी तलाशी ली जा रही है।

15 जगहों पर तलाशी

मुंबई के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के लगभग 15 जगहों पर तलाशी हुई है। मोबाइल ऐप के अलावा और भी माध्यमों की खोज की जा रही है। हालांकि, इससे पहले भी राज कुंद्रा ED के चंगुल में फंस चुके हैं। पोर्नोग्राफी के अलावा राज कुंद्रा फिलहाल अजय भारद्वाज से जुड़े बिटकॉइन धोखाधड़ी से भी ताल्लुक रखते हैं, इस मामले में उन पर एक अलग मनी लॉन्ड्रिंग जांच चल रही है। इसके अलावा शिल्पा शेट्टी की जुहू स्थित प्रॉपर्टी पर भी अवैध धन का मामला है।

ब्रेकअप आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं: सुप्रीम कोर्ट

शादी का वादा तोड़ने पर नहीं चलाया जा सकता क्रिमिनल केस

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक फैसले में कहा कि ब्रेकअप या शादी का वादा तोड़ना आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं हो सकता। हालांकि, ऐसे वादे टूटने पर शख्स इमोशनली परेशान हो सकता है। अगर वह सुसाइड कर लेता है, तो इसके लिए किसी दूसरे व्यक्ति को अपराधी नहीं माना जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले को बदला

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कर्नाटक हाईकोर्ट के उस फैसले को बदला, जिसमें आरोपी कमरुद्दीन दस्तगीर सनदी को अपनी गर्लफ्रेंड से चीटिंग और सुसाइड के लिए उकसाने का दोषी पाया गया था। हाईकोर्ट ने आरोपी को 5 साल की जेल और 25 हजार जुर्माना भरने की सजा सुनाई थी। मामले की सुनवाई जस्टिस पंकज मित्तल और उज्जल भुयान की बेंच ने की। उन्होंने इस मामले को क्रिमिनल केस न मानकर नॉर्मल ब्रेकअप केस माना है और सजा को पलट दिया है। हालांकि, कोर्ट से पहले ट्रायल कोर्ट भी आरोपी को बरी कर चुका था।

मंथन ▸ हमें चुनावी रणनीति में सुधार करना होगा, माहौल पक्ष में मतलब जीत की गारंटी नहीं : खड़गे

कांग्रेस पार्टी में ऊपर से नीचे तक होगा बदलाव

मुनीब चौरसिया | मुंबई/नई दिल्ली

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में करारी हार को लेकर शुक्रवार को कांग्रेस वर्किंग कमेटी की दिल्ली में मीटिंग हुई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- चुनाव परिणामों से निराश नहीं होना चाहिए। पार्टी को मजबूत करने के लिए ऊपर से लेकर नीचे तक बदलाव की जरूरत है।उन्होंने कहा, 'हमें चुनावी रणनीति में भी सुधार करना होगा, माहौल पक्ष में मतलब जीत की गारंटी नहीं होता है। कांग्रेस अध्यक्ष ने बैठक में एक बार फिर EVM पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, 'EVM ने चुनाव प्रक्रिया को संदिग्ध बना दिया है, चुनाव आयोग को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना चाहिए।' खड़गे ने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कोई भी अंकगणित परिणामों को सही नहीं ठहरा सकता। लोकसभा चुनाव में जिस तरह से महाविकास अघाड़ी (MVA) ने प्रदर्शन किया, उस हिसाब से विधानसभा के परिणाम देखकर चुनावी पंडित भी भ्रमित हैं।

मीटिंग में खड़गे की पूरी बात 5 पॉइंट में...

1. संगठन में ऊपर से नीचे तक ब दलाव की जरूरत

खड़गे ने कहा- राज्य चुनावों में उम्मीद से कम प्रदर्शन हमारे लिए चुनौती है। पार्टी नेताओं में एकता की कमी, एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी चुनावों में हमें नुकसान पहुंचा रही है, इस पर सख्त अनुशासन की जरूरत है। पार्टी को मजबूत करने के लिए जमीनी स्तर से लेकर AICC तक बदलाव लाने होंगे।

2. माहौल पक्ष में मतलब जीत की गारंटी नहीं

खड़गे ने बैठक में कहा- चुनाव का माहौल हमारे पक्ष में होने से जीत की गारंटी नहीं मिलती। टाइम बाउंड स्ट्रैटेजी बनाने और पार्टी को मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। विधानसभा चुनावों के लिए एक साल

पहले से तैयारी करनी होगी, मतदाता सूचियों की जांच करनी होगी।

3. हमें अपनी चुनाव रणनीति में सुधार करना होगा

खड़गे ने कहा- महाराष्ट्र में कोई भी अंकगणित परिणामों को सही नहीं ठहरा सकता। MVA के लोकसभा चुनाव के परिणामों के बाद चुनाव पंडित भ्रमित हैं। हमें अपनी चुनाव रणनीति में सुधार करना होगा।

दुष्प्रचार, गलत सूचना का मुकाबला करने के तरीके विकसित करने होंगे।

4. कांग्रेस के लिए सत्ता में आना महत्वपूर्ण

खड़गे ने कहा कि कांग्रेस के लिए सत्ता में आना महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे देश भर में लोगों के एजेंडे को लागू करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के अच्छे नतीजों के बाद विधानसभा चुनाव के नतीजों ने हमें झकझोर दिया, हमें कड़े कदम उठाने होंगे।

5. मणिपुर से लेकर संभल तक बहुत गंभीर मसले हैं

खड़गे ने कहा- बातें बहुत सी हैं। मणिपुर से लेकर संभल तक का बहुत गंभीर मसले है। बीजेपी देश का ध्यान अपनी विफलताओं से भटकाने के लिए कई धार्मिक मुद्दों को विभिन्न माध्यमों से हवा देने की कोशिश कर रही है।

2017 से अब तक JNU में यौन उत्पीड़न की 151 शिकायतें

विश्वविद्यालय का दावा- लगभग 98% शिकायतों का हुआ निपटारा

एजेंसी | नई दिल्ली

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में 2017 से अब तक यौन उत्पीड़न की 151 शिकायतें दर्ज की गई हैं। इस साल ही इसकी आंतरिक शिकायत समिति (आइसीसी) ने उत्पीड़न के खिलाफ लैंगिक संवेदनशीलता समिति (जीएसकैश) की जगह ली थी। यह जानकारी एक आरटीआई आवेदन के माध्यम से प्राप्त आंकड़ों से मिली है। विश्वविद्यालय का दावा है कि उसने इनमें से लगभग 98 प्रतिशत शिकायतों का समाधान कर दिया है, जबकि वर्तमान में केवल तीन मामलों की जांच चल रही है। हालांकि, शिकायतों की प्रकृति और आरोपियों के खिलाफ की गई कार्रवाई के बारे में पूछे जाने पर, जेएनयू ने गोपनीयता का हवाला देते हुए जानकारी देने से इनकार कर दिया।

2022-23 और 2023-24 में 30-30 शिकायतें दर्ज

डेटा से पता चलता है कि एक साल में सबसे ज्यादा मामले 2018-19 में दर्ज किए गए, जिसमें 63 शिकायतें थीं। आइसीसी के गठन से पहले, जेएनयू को 2016 में 38 रिकॉर्ड मामले मिले थे।

कोविड-19 महामारी के वर्षों में इसमें उल्लेखनीय गिरावट देखी गई, 2019 और 2021 के बीच केवल छह शिकायतें दर्ज की गईं। संभवत: परिसर में कम गतिविधि के कारण ऐसा हुआ। हालांकि, हाल के वर्षों में संख्या में वृद्धि हुई है। 2022-23 और 2023-24 में 30-30 शिकायतें दर्ज की गईं। आंकड़ों के अनुसार, 2017-18 में सत्रह मामले, 2018-19 में 63, 2019-20 में पांच, 2020-21 में एक और 2021-22 में पांच मामले दर्ज किए गए।

'कर्मचारियों की होगी ट्रायल परीक्षा'

विकास ढाकने ने संपत्ति कर विभाग में योग्य और अनुभवी कर्मचारियों के चयन का दिया आदेश

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

संपत्ति कर उल्हासनगर मनपा का आय का एक प्रमुख सबसे महत्वपूर्ण आय स्रोत है। मनपा के वित्तीय हितों को ध्यान में रखते हुए आयुक्त विकास ढाकने का मानना है कि संपत्ति कर विभाग के कर्मचारियों को अपने काम में सुधार करना जरूरी है। आयुक्त ने जिन कर्मचारियों को विद्यामान के बारे में कुछ भी नहीं पता, उन्हें प्रशिक्षण देकर परीक्षा कराने और विभाग से बाहर करने का निर्णय लिया है। इसके चलते आयुक्त ने उपरोक्तानुसार परीक्षा आयोजित करने का आदेश दिया है ताकि योग्य एवं बुद्धिमान कर्मचारी परीक्षा में सफल होकर इस विभाग में नियुक्ति पा सकें।

संबंधित अधिकारियों को परीक्षा आयोजित करने का आदेश

अन्य विभागों के कर्मचारी जो कम से कम 50% या अधिक अंक प्राप्त करेंगे, उन्हें योग्यता संख्या के अनुसार संपत्ति कर विभाग में नियुक्त किया जाएगा। उक्त परीक्षा में 100 अंकों की वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार की होगी तथा उक्त परीक्षा में हल किए गए प्रत्येक चार गलत उत्तरों के लिए एक प्रश्न अंक काटा जाएगा। आयुक्त ढाकने ने उल्हासनगर मनपा के अतिरिक्त आयुक्त जमीर लेंगरेकर, उपायुक्त, सहायक आयुक्त और संबंधित अधिकारियों को परीक्षा आयोजित करने का आदेश दिया है।

मनपा सेवा में कम से कम 5 वर्ष का अनुभव निर्धारित

बता दें कि मनपा में एक ही विभाग के कर्मचारी दिन-ब-दिन काम कर रहे हैं। इसलिए उन्हें दूसरे विभाग में स्थानांतरित किया जाना चाहिए। कर विभाग में काम करने के पात्र होने के लिए जिन कर्मचारियों को मनपा में अयोग्य कर्मचारियों के स्थानांतरण के कारण रिक्त होने वाले पदों के लिए अन्य कर्मचारियों को स्थानांतरित करना होगा, उन्हें भी पहले संपत्ति कर विभाग में स्थानांतरित किया जाएगा और फिर दूसरे तीसरे जैसे जरूरी तबादले किए जाएंगे। आवश्यक स्थानांतरण के बाद शेष सूची को प्रतीक्षा सूची के रूप में रखा जायेगा तथा कर विभाग को आवश्यकतानुसार अपने कर्मचारी उपलब्ध कराये जायेंगे। साथ ही अन्य विभाग से कर विभाग में स्थानांतरण के लिए परीक्षा की पात्रता किसी भी विषय में स्नातक और मनपा सेवा में कम से कम 5 वर्ष का अनुभव निर्धारित किया गया है। संपत्ति कर विभाग के सभी कर्मचारियों के साथ-साथ मनपा क्लर्क संवर्ग के कर्मचारियों को महाराष्ट्र बीएमसी अधिनियम, 1949 में संपत्ति कर से संबंधित धाराओं और नियमों पर विशेष प्रशिक्षण और सामान्य बुद्धि परीक्षण दिया जाएगा। परीक्षा हेतु विशेष प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन सत्र 5 दिसम्बर 2024 (गुरुवार) सोमवार को 02.00 से 06.00 तक महासभा हॉल में आयोजित की जाएगी जबकि 10 दिसंबर, 2024 (मंगलवार) को 11.30 से 12.30 बजे तक महासभा सभागार में संपत्ति कर पर परीक्षण परीक्षा आयोजित की जाएगी। संपत्ति कर विभाग में वर्तमान में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों को भी उक्त परीक्षा देना अनिवार्य होगा। लिखित परीक्षा में कम से कम 50% अंक प्राप्त करने वाले कर्मचारियों को ही कराधान एवं कर संग्रहण विभाग में नियोजित किया जाएगा। वरना तो किसी अन्य खाते में स्थानांतरित कर दिया जाएगा, ऐसा कार्यालय आदेश में कहा गया है।

'चुनावों में खराब प्रदर्शन पर आत्मचिंतन करे कांग्रेस'

अपने पूर्व सहयोगियों को अशोक चव्हाण की नसीहत

डीबीडी संवाददाता | छत्रपति संभाजीनगर

महाराष्ट्र में अगले सीएम के निर्णय को लेकर जारी तनातनी और चुनाव में हार का मुंह देखने वाले महाविकास आघाड़ी के दलों में शामिल कांग्रेस व अन्य द्वारा EVM पर सवाल उठाए जाने के बीच बीजेपी के राज्यसभा सदस्य अशोक चव्हाण ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने कांग्रेस को सलाह देते हुए कहा कि पार्टी को हाल के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अपने खराब प्रदर्शन के बारे में आत्मचिंतन करना चाहिए।

राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री रह चुके चव्हाण इस साल की शुरूआत में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। हाल में हुए विधानसभा चुनाव में अशोक चव्हाण की बेटी श्रीजया चव्हाण ने नांदेड़ जिले की भोकर सीट से जीत हासिल की थी। उन्होंने कहा, ''जब मैं राज्य का मुख्यमंत्री था, तो पार्टी ने 2009 के चुनाव में 82 सीट जीती थीं। मेरे बाद, पृथ्वीराज चव्हाण (2010 से 2014 तक मुख्यमंत्री) इसे घटाकर 44 पर ले आए और नाना पटोले (फरवरी 2021 से प्रदेश इकाई प्रमुख) अब इसे घटाकर 16 (2024 के विधानसभा चुनावों में) कर चुके हैं। आंकड़े हमारे सामने हैं।

कांग्रेस को आत्मचिंतन की दी सलाह

उन्होंने कहा, ''राजनीति में जीत हासिल करना एक प्रक्रिया है, इसलिए कांग्रेस को आत्मचिंतन करना चाहिए।' अशोक चव्हाण ने कहा कि वह अपनी पूर्व पार्टी को सलाह नहीं दे रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री पद से हटाए जाने का परोक्ष रूप से संदर्भ देते हुए कहा, ''मैं 14 साल तक वनवास में रहा लेकिनमेरी भी भावनाएं हैं।' गौरतलब है कि पृथ्वीराज चव्हाण को मुख्यमंत्री बनाए जाने से पहले अशोक चव्हाण दिसंबर 2008 से नवंबर 2010 के बीच मुख्यमंत्री थे। अशोक चव्हाण 2015 से 2019 के बीच महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भी रहे। वह इस साल फरवरी में वे भाजपा में शामिल हो गए थे। बता दें कि महाराष्ट्र में 20 नवंबर को विधानसभा चुनावों के लिए मतदान हुए थे। 23 नवंबर को आए चुनाव नतीजों में भाजपा ने सबसे ज्यादा 132 सीट, शिवसेना ने 57 और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने 41 सीट जीतीं। वहीं महाविकास आघाड़ी में शामिल शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने 20 सीट, कांग्रेस ने 16 और शरद पवार की राकांपा (शरदचंद्र पवार) ने 10 सीट पर जीत दर्ज की।

तुलजा भवानी मंदिर की मरम्मत की जाएगी

डीबीडी संवाददाता | छत्रपति संभाजीनगर

महाराष्ट्र के धाराशिव जिले में प्रसिद्ध तुलजा भवानी मंदिर में मरम्मत और संरक्षण कार्य किया जाएगा, जिसके दौरान परिसर में अनधिकृत निर्माण को गिरा दिया जाएगा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। देवी तुलजा भवानी को समर्पित 12वीं शताब्दी का प्रसिद्ध मंदिर तुलजापुर में स्थित है और राज्य भर से तथा बाहर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां आते हैं। इस संरक्षित मंदिर एवं स्मारक का रखरखाव भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा किया जाता है।

क्राइम ब्रांच ने उल्हासनगर में जुगार के अड्डे पर मारा छापा

16 जुआरियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर शहर में जुआ मटका, ऑनलाइन जुआ और अन्य अवैध धंधों का साम्राज्य बड़े तेजी से फल-फूल रहा है। स्थानीय पुलिस स्टेशनों के हद में खुलेआम चलने वाले इन अवैध धंधे समाज के लिए भी खतरा हैं। इन अवैध धंधों पर पुलिस की चुप्पी और कार्रवाई न होना कई सवाल खड़े कर रहा है। ऐसे में उल्हासनगर शहर में कल्याण क्राइम ब्रांच की एक बड़ी कार्रवाई ने इस मुद्दे को उजागर किया है।

चल रहा था बेधड़क जुआ मटका जुगार का कारोबार

कल्याण क्राइम ब्रांच ने उल्हासनगर कैंप- 3 के एक बड़े जुए के अड्डे पर छापा मारकर 16 लोगों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों के खिलाफ जुआ निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है। इस कार्रवाई से शहर में कई जुआ अड्डों को लेकर चर्चा शुरू हो गयी है। उल्हासनगर- 2 स्थित फक्कड़ मण्डली चौक पर शंकर कुकरेजा नाम का एक व्यक्ति कई वर्षों से बेधड़क जुआ मटका जुगार का कारोबार चला रहा है। स्थानीय निवासियों के मुताबिक इस अड्डे पर पुलिस की खास मेहरबानी है। इसलिए इस धंधे पर पर कोई कार्रवाई नहीं होती है। उल्हासनगर पुलिस स्टेशन की सीमा में छोटू सरकार और छोटू पाटिल के कई जुए के अड्डे बेरोकटोक चल रहे हैं। ये अड्डे दिनदहाड़े चलाए जा रहे हैं और इनके खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से स्थानीय नागरिकों में नाराजगी है। शंकर आहूजा नाम का शख्स आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर शहर में बड़े पैमाने पर ऑनलाइन जुए का कारोबार चला रहा है। ऑनलाइन जुगार कारोबार से शहर युवा जुए के दलदल में धस रहे है। सिर्फ खेमानी ही नही यह जुगार धंधे सेंट्रल पुलिस, विट्ठलवाड़ी और हिललाइन पुलिस स्टेशनों की सीमा के भीतर भी बड़े पैमाने पर चल रहे हैं।

चक्रवाती तूफान 'फेंगल' का असर

छाए रहेंगे बादल, पश्चिम महाराष्ट्र के कई जिलों में बारिश की संभावना

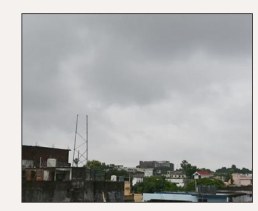

डीबीडी संवाददाता | कोल्हापुर

दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना गहरा दबाव का क्षेत्र चक्रवाती तूफान में बदल गया है। चक्रवाती तूफान फेंगल के कारण महाराष्ट्र में कुछ हिस्सों में भी हल्के काले बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग ने आज राज्य के अधिकांश हिस्सों में बादल छाए रहने की संभावना जताई है और 6 दिसंबर को सांगली समेत राज्य के कुछ जिलों में हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है। विशेषज्ञों के अनुसार यह बारिश रबी की फसल के लिए वरदान साबित होगी लेकिन अंगूर के बागों से इस बारिश से नुकसान पहुंच सकता है। मौसम विभाग से मिली ताजा जानकारी के अनुसार राज्य में आज से मराठवाड़ा सहित दक्षिणी क्षेत्र में बादल छाए रहने की संभावना है। फिलहाल 4 दिसंबर तक बारिश की कोई संभावना नहीं है और 2 से 4 दिसंबर तक बादल छाए रहेंगे लेकिन 6 दिसंबर को राज्य में हल्की बारिश होने की संभावना है।

जोगेश्वरी-अंधेरी के मरीजों को बड़ी राहत

सेवेन हिल्स अस्पताल में शुरू हुई 'महात्मा फुले जन आरोग्य योजना'

संदीप कसालकर | मुंबई

जोगेश्वरी-अंधेरी समेत मुंबई उत्तर-पश्चिम लोकसभा क्षेत्र के मरीजों के लिए एक बड़ी खुशखबरी आई है। अब सेवेन हिल्स अस्पताल में 'महात्मा फुले जन आरोग्य योजना' लागू हो गई है, जिससे हजारों मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी।

इस क्षेत्र में लंबे समय से सस्ती और सुलभ चिकित्सा सुविधाओं की कमी थी। निजी अस्पतालों में सरकारी योजनाओं का लाभ न मिलने से मरीजों को सरकारी अस्पतालों का रुख करना पड़ता था, जिससे सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था पर दबाव बढ़ रहा था। कई मरीजों को इलाज के लिए दूर-दराज जाना पड़ता था।

सांसद रविंद्र वायकर ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और प्रशासन के साथ लगातार पत्रव्यवहार कर इस योजना को सेवेन हिल्स अस्पताल में लागू कराने के लिए भरपूर प्रयास किए।

मरीजों को बड़ा फायदा

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद, 18 नवंबर 2024 से इस योजना की शुरुआत हो गई है। इसके तहत, मरीजों को अब 5 लाख तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। इससे न सिर्फ जोगेश्वरी-अंधेरी के लोगों को, बल्कि आसपास के क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को भी बड़ा फायदा होगा। सांसद रविंद्र वायकर ने कहा कि वे अपने क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध हैं। इस योजना से मरीजों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं सुलभ और सस्ती हो सकेंगी।

पायलट आत्महत्या

कोर्ट ने ब्वॉयफ्रेंड की पुलिस हिरासत अवधि बढ़ाई

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई की एक अदालत ने कथित रूप से खुदकुशी कर लेने वाली एयर इंडिया की एक पायलट के पुरूषमित्र (ब्वॉयफ्रेंड) को शुक्रवार को दो दिसंबर तक के लिए पुलिस की हिरासत में भेज दिया। पुलिस ने दलील दी कि उसे उसके मोबाइल फोन से व्हाट्सएप पर दोनों के बीच हुई बातचीत के हटा दिये गये हिस्से को हासिल करने की आवश्यकता है।

मरोल इलाके में 'कनकिया रेन फॉरेस्ट' इमारत में किराए के फ्लैट में रहने वाली पायलट सृष्टि तुली (25) ने सोमवार तड़के कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी।

पुलिस के अनुसार, सृष्टि ने अपने फ्लैट में डेटा केबल से फांसी लगा ली थी, जिसके बाद उसके पुरूषमित्र आदित्य पंडित (27) को गिरफ्तार किया गया और उसे आत्महत्या के लिए उकसाने को लेकर आरोपित किया गया। पंडित को उसकी पिछली पुलिस हिरासत समाप्त होने पर शुक्रवार को उपनगरीय अंधेरी स्थित मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया।

आरसीसी रोड के निर्माण कार्य का प्रशांत लाड ने किया उद्घाटन

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी मनपा के वार्ड नंबर 9 में पूर्व नगरसेवक प्रशांत लाड ने नाई पाड़ा स्थित शिवसेना शाखा, शिमला होटल से अहबाब होटल व रहमानिया मस्जिद तक आरसीसी सड़क बनाने का उद्घाटन किया जिससे नागरिकों को बड़ी राहत मिलने का उम्मीद है। इस अवसर पर पूर्व सभापति व पूर्व नगरसेवक प्रशांत लाड़ के साथ अफसर अंसारी, अबुजर भाई, अख्तर अंसारी, निजाम सरदार, मोइन सरदार, अदाना, हादी वायरमैन,

आसिफ भाई अकमल, माजिद, अकील भाई, वकास भाई, हमजा शेख व गणचंद केसरवानी आदि लोग उपस्थित थे। सभी ने इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा की है।

पुणे में मनाई गई डॉ. हरिवंशराय बच्चन की जयंती

डीबीडी संवाददाता | पुणे

मंडल रेल प्रबंधक, पुणे इन्दू दुबे तथा अपर मंडल रेल प्रबंधक एवं अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी बी. के. सिंह के मार्गदर्शन में दिनांक 27.11.2024 को डीजल लोको शेड, घोरपड़ी, पुणे में डॉ. हरिवंशराय बच्चन की जयंती मनाई गयी। वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, पुणे जितेंद्र प्रताप सिंह, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (डीजल) गजानन्द मीणा, सहायक मंडल इंजीनियर (डीजल) हर्ष त्रिपाठी, सहायक कार्मिक अधिकारी एवं संपर्क अधिकारी (राजभाषा), पुणे जे.एस. मीणा आदि ने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम की शुरुआत की जिसमें अपने अध्यक्षीय संबोधन में गजानन्द मीणा ने कहा कि आज के इस वर्तमान युग में डॉ. हरिवंशराय बच्चन जी का साहित्य हमारे लिए प्रेरणास्रोत है और सभी को उनके साहित्य का अध्ययन करना चाहिए। इस अवसर पर जे. एस. मीणा ने प्रसन्नता व्यक्त की कि इस पुस्तकालय में डॉ. हरिवंशराय बच्चन जी का संपूर्ण साहित्य उपलब्ध है।

स्वरचित कविताओं की प्रस्तुति

रेल कर्मचारियों ने डॉ. हरिवंशराय बच्चन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर अपने विचार व्यक्त किए और स्वरचित कविताएं भी प्रस्तुत की। इस अवसर पर प्रश्न मंच का भी आयोजन किया गया। रेल कर्मचारी लक्ष्मण घुगे के 'योगी-पावन मनाचा' पुस्तक का विमोचन उपस्थित अधिकारियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर डीजल लोको शेड, घोरपडी के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस समारोह को सफल बनाने में डीजल लोको शेड, पुणे की सांस्कृतिक समिति, प्रशिक्षण केंद्र के कर्मचारियों और राजभाषा कार्यान्वयन समिति, डीजल लोको शेड के सचिव श्रीकांत लोंढे आदि ने विशेष सहयोग दिया।

उल्हासनगर में ठंड ने पकड़ा जोर

गर्म कपड़ों के लिए बाजार में लगी नागरिकों की भीड़

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर और आसपास के शहरों में सर्दी की जोरदार आगाज ने बाजारों में रौनक की नई तस्वीर बना दी है। शहर भर में ठंडी हवाएं चलने से नागरिकों को गर्म कपड़ों की याद आ गई है और कुछ ही दिनों में बाजार खिल उठे हैं। लोग स्वेटर, जैकेट, टोपी और दस्ताने के लिए दुकानों पर उमड़ रहे हैं। यह दौर सचमुच व्यापारियों के लिए भी कोल्ड सीजन बन गया है।

दुकानों को नागरिकों का अच्छा प्रतिसाद

पिछले कुछ दिनों में अचानक बढ़ी ठंड के कारण नागरिकों ने गर्म कपड़ों की ओर रुख कर लिया है। बाजारों और फुटपाथों पर लगी अस्थायी गर्म कपड़ों की दुकानों को नागरिकों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। रंग-बिरंगे स्वेटर, ट्रेंडी जैकेट और स्टाइलिश ईयर कैप इन बाजारों को और अधिक आकर्षक बनाते हैं। व्यापारी भी इस अवसर का लाभ उठा रहे हैं क्योंकि सर्दियों के मौसम में भारी बिक्री की संभावना है। एक स्थानीय व्यापारी ने कहा, 'इस साल सर्दी जल्दी शुरू होने से ग्राहकों की भीड़ समय से पहले बढ़ गई है। हम सस्ती कीमतों और छूट पर उत्पाद पेश करके बिक्री बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं।' खरीदारी के लिए आये नागरिकों ने भी इस ठंड के मौसम के कारण खरीदारी को लेकर संतुष्टि जाहिर की है।

इंडियन बैंक की ओर से हेल्थ इन्श्योरेन्स कार्ड का वितरण

रेल कर्मचारियों के कल्याण के लिए इंडियन बैंक और मध्य रेल पुणे का संयुक्त उपक्रम

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मध्य रेल पुणे मंडल ने इंडियन बैंक के साथ एमओयू साइन किया था। एमओयू के अनुसार इंडियन बैंक में सैलरी अकाउंट ओपन करने पर बैंक की ओर से अकाउंट होल्डर को मुफ्त हेल्थ इन्श्योरेन्स दिया जाना था। 29 नवंबर को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में इंडियन बैंक की ओर से हेल्थ इन्श्योरेन्स कार्ड का वितरण किया गया। बैंक द्वारा पुणे मंडल के कर्मचारियों के लिए विशेष पैकेज बनाया गया है, जिसमें बैंकिंग की अन्य सुविधाओं के अतिरिक्त 4 लाख तक का हेल्थ इन्श्योरेन्स दिया जा रहा है। इसके अलावा 40 लाख से 1 करोड़ तक का पर्सनल एक्सीडेंटल डेथ इन्श्योरेन्स कवरेज भी शामिल है।

रेल कर्मचारियों के लिए लाभदायक

जितेंद्र सिंह, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी ने कहा कि इंडियन बैंक द्वारा दी जा रही यह सुविधा रेल कर्मचारियों के लिए काफी लाभदायक सिद्ध होगी।उन्होंने कहा कि यह मंडल रेल प्रबंधक इन्दू दुबे के मार्गदर्शन से यह संभव हो सका है। इस कार्यक्रम में पुणे मंडल के बी. के. सिंह, अपर मंडल रेल प्रबंधक, जितेंद्र प्रताप सिंह, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, राजीव कुमार, जोनल मैनेजर इंडियन बैंक, सुजीत कुमार झा, ब्रांच मैनेजर, डॉ. मिलिंद हिरवे, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, माहेश्वरी, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर,सचिन पाटील, सहायक परिचालन प्रबंधक, जे. एस. मीणा, सहायक कार्मिक अधिकारी(कल्याण), नागेंद्र कुमार, निजी सचिव/ मंडल रेल प्रबंधक, राकेश प्रसाद, मुख्य कर्मचारी एवं कल्याण निरीक्षक, रवि लवले, मुख्य कर्मचारी एवं कल्याण निरीक्षक, मृगेंद्र कुमार, कर्मचारी एवं कल्याण निरीक्षक और मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के कर्मचारी भारी संख्या में उपस्थित थे।

'नाना पटोले आरएसएस के लिए करते हैं काम'

कांग्रेस के हारे उम्मीदवार बंटी शेल्के ने लगाए गंभीर आरोप

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/नागपुर

लोकसभा चुनाव में सफलता के बावजूद महाराष्ट्र चुनाव में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। इस बीच कांग्रेस पार्टी के भीतर भी घमासान मच गया है। मध्य नागपुर से कांग्रेस के पराजित उम्मीदवार बंटी शेल्के ने महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले पर गंभीर आरोप लगाए हैं। शेल्के ने आक्रामक रुख अपनाते हुए कहा कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले चुनाव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लिए काम कर रहे थे। इसलिए उन्हें पार्टी से बर्खास्त कर उसी संगठन में भेजा जाना चाहिए।

पार्टी के भीतर विवाद बढ़ने की आशंका

बंटी शेल्के ने आगे कहा कि भ्रष्टाचार, गलत फैसलों के बारे में बात करें, यह पार्टी नेता राहुल गांधी का सुझाव है। मैं उनके निर्देशानुसार तथ्य प्रस्तुत कर रहा हूं। उधर, दो दिन पहले एक असंतुष्ट समूह की ओर से पटोले को निशाना बनाए जाने के बाद शेल्के के आरोपों से पार्टी के भीतर विवाद बढ़ने की आशंका है। दरअसल पिछले चुनाव में करीबी हार के बाद भी बंटी शेल्के ने निर्वाचन क्षेत्र नहीं छोड़ा। इस बार भी उनके लिए अनुकूल परिस्थितियों की चर्चा थी। जब उम्मीदवारों की घोषणा की जा रही थी, तब चर्चा थी कि मध्य नागपुर से अन्य उम्मीदवारों के नाम कांग्रेस ने तय कर लिए हैं। ऐसे में शेल्के ने उम्मीदवारी जीती और पार्टी के भीतर विरोधियों को हरा दिया।

पटोले पर सीधा हमला

महाराष्ट्र चुनाव के फैसले के पांच दिन बाद शेल्के ने मुंबई में पटोले पर सीधा हमला बोल दिया। कहा कि पिछले चुनाव में मैं 4000 वोटों से हार गया था। उस चुनाव में भी पटोले ने पदाधिकारियों को मेरा काम नहीं करने की हिदायत दी थी। इस चुनाव में नाना पटोले ने पैनल में कोई नाम नहीं भेजा। अधिकांश ब्लॉक अध्यक्ष मेरे पक्ष में नहीं थे। मेरे खिलाफ दो महिला अध्यक्ष नियुक्त की गईं। शेल्के ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनका रुख यह था कि अगर बीच में कोई भी पद चाहता है तो उसे मेरा विरोध करना चाहिए।

रविवार को पश्चिम रेलवे पर दिवसकालीन ब्लॉक नहीं

पश्चिम रेलवे का मरीन लाइन्स एवं माहिम स्टेशनों के बीच रात्रिकालीन ब्लॉक

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

रेल पथ, सिगनलिंग प्रणाली तथा ऊपरी उपस्करों के रख-रखाव हेतु पश्चिम रेलवे द्वारा 30 नवंबर/01 दिसंबर, 2024 की मध्यरात्रि को 00.15 बजे से 04.15 बजे तक मरीन लाइन्स एवं माहिम स्टेशनों के बीच डाउन स्लो लाइन पर चार घंटे का जम्बो ब्लॉक लिया जाएगा।

मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक ने दी जानकारी

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ब्लॉक अवधि के दौरान चर्चगेट एवं माहिम स्टेशनों के बीच सभी डाउन स्लो लाइन की ट्रेनें डाउन फास्ट लाइन पर परिचालित की जाएंगी। महालक्ष्मी, प्रभादेवी और माटुंगा रोड पर प्लेटफॉर्म की अनुपलब्धता और लोअर परेल एवं माहिम स्टेशन पर प्लेटफॉर्म की अपर्याप्त लंबाई के कारण ये ट्रेनें महालक्ष्मी, लोअर परेल, प्रभादेवी, माटुंगा रोड और माहिम स्टेशनों पर नहीं रुकेंगी। अत: पश्चिम रेलवे के उपनगरीय खंड पर रविवार, 01 दिसंबर, 2024 को कोई दिवसकालीन ब्लॉक नहीं रहेगा।

न्यूज़ ब्रीफ

अब 1 जनवरी से नियमित संख्या के साथ चलेंगी पश्चिम रेलवे की सभी स्पेशल ट्रेनें

मुंबई। कोविड-19 महामारी के दौरान जब चरणबद्ध तरीके से ट्रेनों का परिचालन बहाल किया जा रहा था, तब पश्चिम रेलवे की सभी यात्री ट्रेनों को स्पेशल कोविड ट्रेनों के रूप में चलाया जा रहा था। अब यह निर्णय लिया गया है कि पश्चिम रेलवे के स्वामित्व वाली सभी यात्री ट्रेनों को मौजूदा '0' नंबरिंग प्रणाली के बजाय नियमित ट्रेन संख्या के रूप में और संबंधित यात्रा श्रेणियों और ट्रेन के प्रकार के लिए लागू किराए के साथ पुनः नामित किया जाएगा। यह ध्यान देने योग्य है कि यह परिवर्तन 01 जनवरी, 2025 से यात्रा शुरू होने से लागू होगा।

कांग्रेस महाराष्ट्र चुनाव में डेटा संबंधी मामले को लेकर आयोग पहुंची

मुंबई। कांग्रेस ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में डेटा से संबंधित विसंगतियों को लेकर शुक्रवार को निर्वाचन आयोग का रुख किया। पार्टी ने इस पर विस्तृत जवाब की मांग की। पार्टी ने एक ज्ञापन के माध्यम से यह आग्रह भी किया कि आयोग उसके नेताओं को मिलने का अवसर दे, ताकि वह इन विसंगतियों तथा विधानसभा चुनाव से संबंधित कुछ अन्य मुद्दों को उठा सके। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर इस ज्ञापन को साझा किया।

कोर्ट ने गूगल को दिया नोटिस

धर्म गुरू का आपत्तिजनक वीडियो नहीं हटाने पर मांगा जवाब

मुंबई। मुंबई की एक अदालत ने उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद यूट्यूब पर आपत्तिजनक वीडियो नहीं हटाने के मामले में गूगल को नोटिस जारी कर दिया है। स्थानीय थाने के वरिष्ठ निरीक्षक को भी नोटिस जारी किया गया है, जिन पर एनजीओ ने वीडियो हटाने के लिए कोई कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया है। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ए यू बहिर ने पिछले सप्ताह गैर सरकारी संगठन (NGO) द्वारा दायर अवमानना याचिका पर गूगल को यह नोटिस जारी किया। इस मामले की अगली सुनवाई 3 जनवरी 2025 को होगी।

एनजीओ और योगी अश्विनी की छवि को धूमिल करने का प्रयास

पशु कल्याण के लिए समर्पित होने का दावा करने वाले NGO ध्यान फाउंडेशन ने कहा है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसके और आध्यात्मिक नेता योगी अश्विनी के खिलाफ यूट्यूब वीडियो का लिंक प्रसारित किया है। याचिका में कहा गया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आपत्तिजनक सामग्री को व्यापक रूप से शेयर किया और एनजीओ और योगी अश्विनी की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया है।

मार्च में बंबई हाई कोर्ट ने दिया था आदेश

एनजीओ ने अवमानना याचिका में कहा कि बंबई उच्च न्यायालय ने उसकी याचिका को स्वीकार कर लिया था और 31 मार्च 2024 को यूट्यूब को आपत्तिजनक वीडियो को हटाने का निर्देश दिया था। बताया गया कि वीडियो अभी भी भारत के बाहर यूट्यूब पर दिखाई दे रहा है और कोई भी यूजर इसे देख सकता है।

ध्यान फाउंडेशन द्वारा दायर याचिका में कहा गया है कि गूगल ने जानबूझकर उच्च न्यायालय के आदेश की अवमानना करते हुए वीडियो को अब तक नहीं हटाया है।

एनजीओ ने अदालत में दी ये दलील

एनजीओ के वकील राजू गुप्ता ने अदालत के समक्ष दलील दी कि "ध्यान फाउंडेशन और योगी अश्विनी जी के बेदाग चरित्र और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाते हुए गूगल देरी की रणनीति अपना रहा है और तुच्छ आधार पर स्थगन का अनुरोध कर रहा है।"

महाराष्ट्र सरकार राज्य वक्फ बोर्ड को नहीं देगा फंड

10 करोड़ रुपए देने का आदेश लिया वापस

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने राज्य वक्फ बोर्ड को मजबूत करने के लिए 10 करोड़ रुपए हस्तांतरित करने के अपने आदेश को शुक्रवार को वापस ले लिया। राज्य प्रशासन ने एक दिन पहले एक सरकारी प्रस्ताव जारी कर प्रदेश के वक्फ बोर्ड को मजबूत करने के लिए 10 करोड़ रुपए की निधि जारी करने का आदेश दिया था। राज्य की मुख्य सचिव सुजाता सौनिक ने जानकारी देते हुए कहा कि 28 नवंबर के सरकारी प्रस्ताव को वापस ले लिया गया है। सरकारी प्रस्ताव के मुताबिक महाराष्ट्र राज्य वक्फ बोर्ड को मजबूत करने के लिए 2024-25 के के लिए 20 करोड़ रुपए की राशि मंजूर की गई थी। इसमें से दो करोड़ रुपए बोर्ड को हस्तांतरित किए गए थे। बता दें कि महाराष्ट्र सरकार ने राज्य वक्फ बोर्ड को 10 करोड़ रुपए के तत्काल आवंटन की घोषणा की थी। इस संबंध में अल्पसंख्यक विभाग द्वारा एक गवर्नमेंट रेजोल्यूशन जारी किया गया था। महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार के दौरान महायुति सरकार की प्रमुख दल भारतीय जनता पार्टी ने वक्फ भूमि के प्रबंधन को लेकर चिंता जताई थी।

वित्तीय वर्ष 24-25 में 10 करोड़ का किया था आवंटन

महाराष्ट्र में चुनाव परिणामों के बाद महायुति सरकार ने राज्य वक्फ बोर्ड के कामकाज और बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए फंड की मंजूरी दी थी। महाराष्ट्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 24-25 में अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए वक्फ बोर्ड को 10 करोड़ रुपए आवंटित करने का निर्णय लिया था।

विहिप ने किया था विरोध

चुनाव से पहले जून में अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने औरंगाबाद में वक्फ बोर्ड को 2 करोड़ रुपए दिए थे और शेष राशि बाद में देने का वादा किया था। इस कदम का विश्व हिंदू परिषद ने जमकर विरोध किया था। विहिप के कोंकण डिवीजन के सचिव मोहन सालेकर ने कहा था कि वे वक्फ बोर्ड को राशि आवंटित करने के राज्य सरकार के फैसले का विरोध कर रहे हैं।

PUBLIC NOTICE

I shobha Ekka say that my Date of Birth in My Husband Service Office Record. Gopalpur Odisha is mention. 04th Nov, 1982 which is wrong where as my Correct Date of Birth is 27th July, 1986 . As per my Aadhaar Card & Pan Card

रेलवे का संरक्षा मोबाइल एप्लीकेशन लांच

मुंबई। भारतीय रेलवे ने आज पूरे देश में संरक्षा मोबाइल एप्लीकेशन लांच करके यात्री संरक्षा की दिशा में एक और कदम उठाया। इस एप्लीकेशन का उद्देश्य भारतीय रेलवे के फ्रंटलाइन संरक्षा श्रेणी के कर्मचारियों की क्षमता निर्माण के माध्यम से रेल संरक्षा में सुधार करना है। रेलवे बोर्ड के सदस्य परिचालन और व्यवसाय विकास रविंदर गोयल ने सभी मंडल रेल प्रबंधक, प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक ,प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक और भारतीय रेल के सभी मंडलों के अधिकारियों की उपस्थिति में संरक्षा मोबाइल एप्लीकेशन लांच किया। इस एप्लीकेशन को 2013 बैच के आईआरटीएस अधिकारी दिलीप सिंह ने डिजाइन किया है, जो वर्तमान में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं।

सुरक्षा बढ़ाने में उपयोगी साबित हुआ यह एप

इस अवसर पर नागपुर मंडल की डीआरएम नमिता त्रिपाठी ने नागपुर मंडल में पायलट प्रोजेक्ट के कार्यान्वयन के बारे में बात की और बताया कि यह किस तरह से मंडल में सुरक्षा बढ़ाने में उपयोगी साबित हुआ है। अब रेलवे ने सभी जोनल रेलवे में इस एप को लांच करने का निर्णय लिया है, जिसमें 16 मंडलों को शुरू में रोलआउट के लिए चुना गया है। यह एप्लीकेशन भारतीय रेलवे के विषय संबंधी ज्ञान को सूचना प्रौद्योगिकी, डेटा एनालिटिक्स और भविष्य में आर्टीफीशियल इंटेलिजेंस के संभावित लाभ के साथ एकीकृत करता है, ताकि रेलवे कर्मचारियों की प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक बुद्धिमान, प्रभावी और स्केलेबल प्रणाली प्रदान की जा सके। इसमें स्मार्ट लर्निंग और फीडबैक मैकेनिज्म की सुविधा है जो बहु-स्तरीय, वास्तविक समय फीडबैक और निगरानी को संभव बनाता है।

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि 1) श्रीमती पुरन बेहराम इरानी, 2) श्री शाहरीयार बेहराम अत्ताई (उर्फ शाहरीयार बेहराम इरानी), 3) श्री एज़ादियार बेहराम अत्ताई (उर्फ एज़ादियार बेहराम इरानी) और 4) श्रीमती तौबम फरेडून इरानी ने नीचे दी गई सूची में अधिक विशिष्ट रूप से वर्णित संपत्ति को बेचने पर सहमति दी है ('उक्त संपत्ति')। कोई भी व्यक्ति जिसे उक्त संपत्ति के संबंध में विक्रय, विनिमय, बंधन, शुल्क, उपहार, ट्रस्ट, रखरखाव, वारसाहक, कब्जा, पट्टे, किराये, ऋण, लाइसेंस या किसी ट्रस्ट के तहत लाभकारी अधिकार / हित, लिखित अधिकार, प्रिवेशन, किसी समझौते या अन्य वितरण या किसी न्यायालय या विधायी प्राधिकरण द्वारा पारित आदेश, निर्णय या पुरस्कार के तहत कोई दावा हो, वह व्यक्ति कृपया सभी सहायक दस्तावेजों की नोटरीकृत प्रतियों के साथ उक्त दावा लिखित रूप में, नीचे दिए गए कार्यालय पते पर 21 (इक्कीस) दिनों के भीतर सूचित करने का अनुरोध किया जाता है, अन्यथा यह माना जाएगा कि ऐसा कोई दावा अस्तित्व में नहीं है और यदि ऐसा दावा कानूनी रूप से या अन्यथा अस्तित्व में है, तो यह माना जाएगा कि दावेदार ने अपना दावा त्याग दिया है और / या बिना शर्त और अपरिवर्तनीय रूप से अपना अधिकार त्याग दिया है।

सूची

सभी वह भूमि या भूखंड जिसका क्षेत्रफल लगभग 280 वर्ग गज (220.40 वर्ग मीटर) है, साथ ही उस पर स्थित इमारत / संरचना जिसे "इरानी हाउस" ("उक्त इमारत") के नाम से जाना जाता है, जो संतोष नगर, प्लॉट नंबर 7, हिल रोड, बांद्रा पुलिस स्टेशन के सामने, बांद्रा (पश्चिम), मुंबई 400050 में स्थित है और जिसे नगरपालिका दर और कर मूल्यांकनकर्ता द्वारा H / W वार्ड के तहत मूल्यांकित किया गया है। उक्त भूमि और उक्त इमारत को एक साथ "उक्त संपत्ति" के रूप में संदर्भित किया जाता है।

सही / -

वकील पावनी चड्डा

पता: 102, यूसुफ बिल्डिंग, एमजी रोड, फोर्ट, मुंबई 400001.

दिनांक: 30 नवंबर 2024

ईमेल: paavani.chadha@gmail.com

पनवेल-कर्जत उपनगरीय रेलवे कॉरिडोर कार्य ने पकड़ी रफ्तार

अक्टूबर 2024 तक 67% कार्य हुआ पूरा

2,782 करोड़ की स्वीकृत लागत

धीरज सिंह । मुंबई

बहुप्रतीक्षित पनवेल-कर्जत उपनगरीय रेलवे कॉरिडोर, जो कि मुंबई अर्बन ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट (MUTP-III) का हिस्सा है, तेजी से अपने निर्धारित लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन (MRVC) द्वारा निष्पादित यह परियोजना, पनवेल और कर्जत के बीच एक आधुनिक डबल लाइन कॉरिडोर स्थापित करके क्षेत्र की कनेक्टिविटी में एक क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए तैयार है। 2,782 करोड़ की स्वीकृत लागत के साथ, इस परियोजना ने अक्टूबर 2024 तक 67% प्रगति हासिल कर ली है।

स्टेशन इंफ्रास्ट्रक्चर

- स्टेशन भवन: पनवेल , चिखले , मोहापे , चौक और कर्जत स्टेशनों पर स्टेशन और सेवा भवनों का निर्माण कार्य तीव्र गति से प्रगति पर है।
- सुविधाएं: प्लेटफॉर्म, फुट ओवरब्रिज(FOBs) और प्रशासनिक भवन जैसे बुनियादी ढांचे का कार्य भी तेजी से चल रहा है।

कनेक्टिविटी और यात्रा में क्रांतिकारी सुधार: सुभाष चंद गुप्ता

मुंबई रेलवे विकास कॉरपोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक सुभाष चंद गुप्ता ने कहा कि परियोजना के पूरा होने के बाद, पनवेल-कर्जत उपनगरीय रेलवे कॉरिडोर यात्रा समय को काफी हद तक कम करेगा, निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगा और मुंबई महानगरीय क्षेत्र (MMR) में बढ़ती यात्री मांग को पूरा करेगा। यह कॉरिडोर मुंबई के उपनगरीय रेलवे नेटवर्क का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनकर क्षेत्रीय आर्थिक विकास को भी प्रोत्साहित करेगा। इस परियोजना में आधुनिक इंजीनियरिंग डिज़ाइनों को शामिल किया गया है और पर्यावरणीय चिंताओं को ध्यान में रखते हुए वन क्लीयरेंस को प्राथमिकता दी गई है, जिससे पारिस्थितिक प्रभाव को न्यूनतम रखा जा सके।

प्रमुख उपलब्धियां

- भूमि अधिग्रहण और अनुमोदन
- निजी भूमि: परियोजना के लिए आवश्यक 56.82 हेक्टेयर निजी भूमि का अधिग्रहण और कब्जा पूर्ण हो चुका है।
- सरकारी भूमि: आवश्यक 4.4 हेक्टेयर सरकारी भूमि का अधिग्रहण पूरा।
- वन भूमि: स्टेज-I क्लीयरेंस प्राप्त कर कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। स्टेज-II क्लीयरेंस के लिए महत्वपूर्ण अनुमोदन प्राप्त कर लिए गए हैं और प्रस्ताव उन्नत प्रक्रिया में है।

इंजीनियरिंग उपलब्धियां

- भूमि कार्य: 20 लाख घन मीटर से अधिक भराई का कार्य पूरा हो चुका है।
- सुरंगें: तीनों सुरंगों की सफलता से खुदाई पूर्ण हो चुकी है, जिसमें 3,100 मीटर से अधिक का कार्य संपन्न है और लाइनिंग कार्य प्रगति पर है।
- पुल: 47 पुलों में से 29 छोटे और 6 बड़े पुल पूरे हो चुके हैं।
- आरओबी (ROBs): 4 आरओबी पूरे हो चुके हैं, मोहोपे और किरवाली जैसे महत्वपूर्ण स्थलों पर कार्य तेज गति से जारी है।
- पुणे एक्सप्रेसवे अंडरपास: गर्डर लॉन्च सहित यह महत्वपूर्ण घटक पूर्ण हो चुका है।

उज्जवल भविष्य की ओर

यह महत्वाकांक्षी परियोजना समय पर विश्व स्तरीय अवसंरचना प्रदान करने के प्रति MRVC की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। स्टेशन, पुल, सुरंग और फ्लाईओवर जैसे अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ, पनवेल-कर्जत कॉरिडोर मुंबई के उपनगरीय नेटवर्क में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बनकर उभरेगा, जो दैनिक यात्रियों को अपार लाभ प्रदान करेगा। पनवेल-कर्जत उपनगरीय रेलवे कॉरिडोर मुंबई के यात्रियों के लिए अधिक जुड़ा हुआ, कुशल और सतत भविष्य बनाने की दृष्टि का प्रतीक है।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

वृक्ष प्राधिकरण
- सार्वजनिक सूचना-

महाराष्ट्र (शहरी क्षेत्र) वृक्षों का संरक्षण एवं परिरक्षण अधिनियम 1975 (जनवरी 2018 तक संशोधित) की धारा 8 (3) (क) के अंतर्गत प्रावधान के अनुपालन में परिमंडल-VI के अंदर टी विभाग से 01 प्रस्ताव यानी **कुल 01** प्रस्ताव प्रभावित वृक्षों को हटाने के लिए वृक्ष प्राधिकरण/बीएमसी का वृक्ष प्राधिकरण/ मनपा आयुक्त, अध्यक्ष, वृक्ष प्राधिकरण (बीएमसी) की मंजूरी के लिए प्राप्त हुआ।

उपरोक्त प्रस्तावों के अंतर्गत पेड़ों की कटाई/पुर्नरोपित करने के बारे में विस्तृत जानकारी मनपा के **https://mcgm.gov.in** वेबसाइट पर बृहन्मुंबई महानगरपालिका के बारे में विभाग और वार्ड की नियमावली संबंधित सूचना पुस्तिका-गार्डन और वृक्ष प्राधिकरण-वृक्ष प्राधिकरण-777 सार्वजनिक सूचना 7 - पर उपलब्ध है।

उपरोक्त प्रस्ताव के संबंध में नागरिकों की कुछ आपत्तियां व सुझाव आने पर इस विज्ञापन के छपने से 7 दिन के अंदर लिखित स्वरूप में निर्धारित प्रारूप में उद्यान अधीक्षक व वृक्ष अधिकारी के कार्यालय में पेश किया जाए।

उसी तरह आप अपनी आपत्तियां/सुझाव निर्धारित प्रारूप में **dysg.ta@mcgm.gov.in** ईमेल आईडी पर जमा कर सकते हैं। निर्धारित समय पर पेश की गई आपत्तियों/सुझाव पर विचार किया जाएगा। उक्त तिथि के बाद प्राप्त ईमेल या लिखित सुझाव/आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा। प्राप्त सुझाव और आपत्तियों के संबंध में सुनवाई 11/12/2024 के दिन उद्यान अधीक्षक व वृक्ष अधिकारी के कार्यालय में दोपहर को 4.30 से 5.00 बजे के दरम्यान किया जाएगा। जो लोग इस सुनवाई में उपस्थित होना आवश्यक समझते हैं वे उपस्थित रह सकते है वे ई-मेल, सुझाव/आपत्तियों की एक प्रति के साथ।

उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष प्राधिकरण के वृक्ष अधिकारी
पेग्विन इमारत, 2री मंजिल
वीरमाता जीजाबाई भोसले उद्यान,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर रोड,
भायखला (पूर्व), मुंबई-400027.
दूरभाष क्रमांक-022-23742162
ईमेल- dysg.ta@mcgm.gov.in

हस्ता.
उद्यान अधीक्षक
एवं वृक्ष अधिकारी

पीआरओ/1870/विज्ञा./2024-25

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पॉसिबिलिटी है

संपादकीय

प्रियंका का डंका

केरल के वायनाड में प्रियंका गांधी वाड्रा की 4.1 लाख से अधिक वोटों के अंतर से हुई भारी जीत कांग्रेस पार्टी के लिये एक उत्साहजनक संदेश है। निश्चित रूप से उनके राजनीतिक जीवन और कांग्रेस पार्टी के लिये यह एक महत्वपूर्ण क्षण है। शायद यह पहली बार है कि संसद में गांधी परिवार के तीन लोग सदस्य हैं। उनसे पहले राज्यसभा में मां सोनिया गांधी और लोकसभा में भाई राहुल गांधी की सक्रिय उपस्थिति बनी हुई है। उनकी इस जीत से निश्चित रूप से संसद में गांधी परिवार के प्रभाव को मजबूती मिलेगी। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि यह आज भी वंशवादी नेतृत्व पर पार्टी की निर्भरता को रेखांकित करता है। निस्संदेह, प्रियंका गांधी अपने आकर्षक व्यक्तित्व व प्रभावी कुशल वक्ता के रूप में पहचान रखती हैं। वह कांग्रेस पार्टी के लिए भविष्य की बड़ी उम्मीद हैं। उनकी उपस्थिति पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार करती है। एक ओर जहां राहुल गांधी के नेतृत्व व अभिव्यक्ति को लेकर आलोचना की जाती रही है, मगर प्रियंका गांधी वाड्रा अपने नपे-तुले शब्दों में मुद्दों को तार्किक ढंग से उठाने के लिये भी जानी जाती हैं। उनका यह राजनीतिक कौशल वायनाड में चुनाव प्रचार अभियान के दौरान बखूबी देखा गया। अपने इसी गुण के चलते वह चुनाव अभियान के दौरान तमाम मतदाताओं, खासकर महिलाओं के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ने में कामयाब रहीं। लोगों को साथ जोड़ने की यही क्षमता उनकी निर्णायक जीत में खासी मददगार साबित भी हुई। उनके चुनाव अभियान ने कार्यकर्ताओं में नये उत्साह का संचार किया। यही वजह है कि पार्टी के भीतर उनकी सफलता को लेकर खासा जोश भी है। पार्टी के भीतर भी कई लोगों को उम्मीद है कि उनकी इस रिकॉर्ड जीत से कांग्रेस पार्टी संगठन में नई ऊर्जा का संचार हो सकेगा। दूसरे शब्दों में कहें तो देश में पार्टी की अपील में आशातीत विस्तार की संभावनाओं को बल मिल सकेगा। फलतः पार्टी को मौजूदा संकट से उबरने में मदद मिलेगी। यह निर्विवाद सत्य है कि राजनीतिक समय की दृष्टि से प्रियंका गांधी वाड्रा की सफलता के खास मायने हैं। उनकी संसद में दस्तक ऐसे समय में हुई जब देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी बेहद चुनौतीपूर्ण स्थितियों का सामना कर रही है। पार्टी को हाल के दिनों में महत्वपूर्ण चुनावी झटकों का सामना करना पड़ रहा है। पिछले दिनों महाराष्ट्र में हुए विधानसभा चुनाव में उसे हार का सामना करना पड़ा है। वहीं दूसरी ओर हरियाणा में सत्ता की चाबी पार्टी के हाथ से फिसलकर भाजपा की झोली में जा गिरी है। राजनीतिक पंडित इन असफलताओं को पार्टी की घटती प्रासंगिकता के रूप में देखते रहे हैं। साथ ही कहा जाता है कि पार्टी भाजपा की संगठनात्मक ताकत को चुनौती दे पाने में विफल रही है। दूसरे शब्दों में, पार्टी भाजपा के राजनीतिक विमर्श का विकल्प नहीं दे पा रही है। साथ ही यह अहम सवाल भी उठाया जा रहा है कि सक्रिय राजनीति में प्रियंका का उदय क्या संघर्षरत कांग्रेस में नई जान फूंक सकने में कामयाब होगा? दरअसल, वायनाड में उनकी जीत को स्थानीय सफलता के रूप में देखा जा रहा है। इसमें दो राय नहीं कि राष्ट्रीय स्तर पर दमदार उपस्थिति के लिये उन्हें अभी और मेहनत करनी होगी। इस जीत को राष्ट्रीय गति में बदलने के लिये रणनीतिक सुधारों, गठबंधनों और भविष्य के लिये स्पष्ट दृष्टिकोण की जरूरत होगी। अभी यह देखना बाकी है कि क्या भविष्य के लिये वे एक स्पष्ट दृष्टिकोण का लाभ पार्टी का जनाधार विकसित करने के लिये दे पाएंगी। या फिर वह कांग्रेस की वंशवादी राजनीति की निरंतरता के रूप में उभरती हैं। निस्संदेह, जैसे ही वह राष्ट्रीय सुर्खियों में कदम रखेंगी, उन्हें पार्टी में नई प्राणवायु का संचार करने के लिये कठिन चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। उन्हें कालांतर यह भी साबित करना होगा कि कांग्रेस मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में एक व्यवहार्य विकल्प पेश कर सकती है। बहरहाल, प्रियंका गांधी वाड्रा की वायनाड में हुई शानदार जीत से न केवल केरल बल्कि पूरे देश में कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नई आशा का संचार हुआ है।

शख्सियत | रोमिला थापर

भारतीय इतिहास की प्रमुख विदुषी

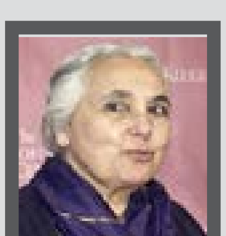

रोमिला थापर, भारतीय इतिहासकार और विदुषी, भारतीय प्राचीन इतिहास और संस्कृति पर अपनी गहरी समझ के लिए जानी जाती हैं। उनका जन्म 30 नवंबर 1931 को दिल्ली में हुआ था। रोमिला थापर ने इतिहास में अपनी विशेषज्ञता प्राप्त की और भारतीय इतिहास के अध्ययन में कई महत्वपूर्ण योगदान दिए। उनका शिक्षा जीवन काफ़ी प्रेरणादायक रहा, और उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से अपनी प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की, इसके बाद उन्होंने इंग्लैंड के ओक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से इतिहास में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की।

थापर का शोध मुख्य रूप से प्राचीन भारतीय इतिहास, विशेष रूप से मौर्य काल और बौद्ध धर्म के प्रसार पर केंद्रित रहा है। उनकी प्रमुख कृतियों में ऱए हिस्ट्री ऑफ इंडियाऱ और ऱरिकंस्ट्रक्टिंग इंडियाऱ शामिल हैं, जिनमें उन्होंने भारतीय इतिहास को एक नए दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया। थापर ने भारतीय समाज, संस्कृति और राजनीति के विकास को समझने के लिए ऐतिहासिक घटनाओं और स्रोतों का विश्लेषण किया और भारतीय इतिहास को पश्चिमी दृष्टिकोण से हटकर भारतीय परिप्रेक्ष्य से देखने का प्रयास किया। उनकी लेखनी ने भारतीय इतिहास के अध्ययन में नई दिशा दी। वे यह मानती थीं कि इतिहास केवल घटनाओं का वृतांत नहीं होता, बल्कि यह समाज, संस्कृति और राजनीति के विकास की एक प्रक्रिया है। थापर ने इतिहास के अध्ययन में सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भ को महत्वपूर्ण माना, जिससे भारतीय इतिहास में विविधताओं और बदलावों की गहरी समझ मिलती है। रोमिला थापर को उनके योगदान के लिए कई पुरस्कारों और सम्मान से नवाजा गया है, जिनमें पद्मभूषण और पद्मश्री शामिल हैं। उनका कार्य न केवल इतिहासकारों के लिए, बल्कि आम लोगों के लिए भी एक अमूल्य धरोहर है। उनका जीवन और कार्य यह दर्शाता है कि इतिहास सिर्फ अतीत का नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य का भी मार्गदर्शन करता है।

बांग्लादेश से बिगड़ते रिश्तों के यक्ष प्रश्न

पुष्परंजन

आपको चिटगांव जाना हो, तो सबसे शॉर्टकट रास्ता त्रिपुरा होकर है। गत 9 मार्च, 2021 को प्रधानमंत्री मोदी, और उनकी तत्कालीन समकक्ष शेख़ हसीना ने मैत्री सेतु का उद्घाटन किया था। दक्षिणी त्रिपुरा के सबरूम कस्बे से मैत्री सेतु के बरास्ते सीमा पार कीजिये, और रामपुर पहुंच जाइये, जो चिटगांव का उपजिला है। मैत्री सेतु अब भी चालू है, लेकिन सीमा आर-पार से 'मैत्री' ग़ायब है। बुधवार को त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में, सनातनी हिंदू सेना ने बांग्लादेश के सहायक उच्चायुक्त के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने चिन्मय कृष्ण दास प्रभु की गिरफ़्तारी को 'अस्वीकार्य' बताया, और उनकी तत्काल रिहाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया, कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार हिंदू अल्पसंख्यकों और इस्कॉन पर बार-बार होने वाले हमलों के लिए ज़िम्मेदार है। प्रदर्शनकारियों ने कहा, 'यह बर्बरता है। इस्कॉन ने बांग्लादेश में आपदा राहत में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, फिर भी उस पर हमला हो रहा है।' बांग्लादेश में जो कुछ इस समय हो रहा है, चिटगांव उसका अधिकेंद्र है। इसे एपीसेंटर बनाने में चिन्मय कृष्ण का बड़ा हाथ है। अपने धुआंधार धार्मिक भाषणों के लिए जाने जाने वाले चिन्मय कृष्ण, चिटगांव के सतकानिया उपजिला से हैं। उनके तीन नाम हैं,

'चंदन कुमार धर प्रकाश', 'चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी', और तीसरा नाम है, 'शिशु बोक्ता'। उन्होंने कम उम्र से ही धार्मिक उपदेशक के रूप में अपनी लोकप्रियता के कारण 'शिशु बोक्ता' उपनाम अर्जित किया था। 2016 से 2022 तक, उन्होंने इस्कॉन के चिटगांव मंडल सचिव के रूप में कार्य किया। फिर, 2007 में चिन्मय कृष्ण, चिटगांव के हथजारी में पुंडरीक धाम के प्रधान बनाये गये। आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस्कॉन बांग्लादेश ने स्पष्ट किया, कि चिन्मय कृष्ण दास (जिनकी गिरफ्तारी के कारण हाल ही में अशांति फैली), लीलराज गौर दास, और स्वतंत्र गौरांग दास सहित कुछ व्यक्तियों को पहले ही नियमों का उल्लंघन करने के कारण संगठन से हटा दिया गया था। इस्कॉन के महासचिव चारुचंद्र दास ने स्पष्ट किया कि उनकी कार्यशैली व्यक्तिगत थीं, और उनका इस्कॉन से कोई संबंध नहीं था। उन्होंने कहा, 'इस्कॉन बांग्लादेश कभी भी सांप्रदायिक या संघर्ष-प्रेरित गतिविधियों में शामिल नहीं रहा है। इस्कॉन, एकता और सद्भाव को बढ़ावा देना जारी रखेगा।' देशव्यापी अशांति के बीच अगस्त, 2024 में 'सनातन जागरण मंच' का उदय हुआ। चिन्मय दास को इसका प्रवक्ता नियुक्त किया गया था। इस्कॉन का प्रतिनिधित्व करने की बजाय, चिन्मय कृष्ण बांग्लादेश के व्यापक हिंदू समुदाय का प्रतिनिधित्व करने लगे। प्रधानमंत्री शेख हसीना देश छोड़कर चली गईं, तो बड़े पैमाने पर विद्रोह के दौरान कई हिंदू घरों और मंदिरों में तोड़फोड़ की गई। इसके जवाब में, यह मंच शुरू किया गया। हाल ही में सनातन जागरण मंच ने चिटगांव और रंगपुर में बड़ी रैलियां आयोजित कीं, जहां चिन्मय ने हिंदू समुदाय के अधिकारों की वकालत करते हुए जोशीले भाषण दिये थे। लेकिन क्या, 'सनातन जागरण मंच' के गठन, और उसे मिलने वाले फंड के पीछे रॉ की कोई भूमिका है? ढाका के पावर कॉरिडोर से इस बात का इशारा बराबर हो रहा है, मगर 'ऑन द रिकार्ड' अबतक किसी अधिकारी ने बयान नहीं दिया है। 25 अक्तूबर, 2024 को चिटगांव के न्यू मार्केट चौराहे पर बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज के ऊपर भगवा झंडा फहराने के आरोप में चिन्मय और 18 अन्य के खिलाफ देशद्रोह का मामला, 30 अक्तूबर को दर्ज किया गया था। इसी केस के सिलसिले में चिन्मय कृष्ण को ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस की डिटेक्टिव ब्रांच (डीबी) ने 25 नवम्बर, सोमवार को शाम 4:30 बजे हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया। मंगलवार को उन्हें चिटगांव की एक अदालत में पेश किया गया। अदालत ने चिन्मय कृष्ण को जेल भेजने का आदेश जैसे दिया, उनके अनुयायियों ने हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिये। कोर्ट परिसर में ही बेकाबू भीड़ ने एक युवा वकील सैफुल इस्लाम आलिफ को पीट-पीट कर मार डाला था। हिंसक भीड़ को काबू करने के वास्ते पुलिस फायरिंग भी हुई थी। प्रदर्शनकारियों ने कोर्ट परिसर में वकीलों के चेंबर, और एक मस्जिद में भी तोड़फोड़ की थी। उत्पात में कुल 26 लोग घायल हो गए। उधर, शेख हसीना की पार्टी के छह लोग गिरफ्तार किये गए हैं। वकील अपने साथी की मौत के सवाल पर सड़क पर हैं। अंतरिम सरकार इसमें बुरी फंसी है। यह दिलचस्प है, कि चिन्मय कृष्ण के विरुद्ध देशद्रोह का मामला दर्ज करवाने वाले मोहम्मद फिरोज खान को बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की सदस्यता से निलंबित कर दिया गया है। कोर्ट में हुई हिंसक घटना के बाद, मोहम्मद फिरोज खान को 'सुरक्षा के लिए पुलिस हिरासत' में रखा गया है। सीधी सी बात है, खालिदा जिया की पार्टी, 'बीएनपी' का एक प्यादा इस काण्ड में फंस चुका था। इसलिए, उसे दूध की मक्खी समझकर सस्पेंड किया गया। सबसे मुश्किल स्थिति भारत-बांग्लादेश के बीच आई तल्खी को लेकर है, जो शेख हसीना के निर्वासन के बाद से रुक नहीं पा रही। अभी हाल में विदेश मंत्रालय के कुछ डिप्लोमेट मिले। उन्होंने स्वीकार किया कि बांग्लादेश की कूटनीति को हैंडिल करना, आज की तारीख में सबसे चुनौती भरा काम है। भारतीय मीडिया की भूमिका भी इस समय संबंधों के लिहाज़ से सकारात्मक नहीं है। मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के प्रेस विंग ने सच्चाई को तोड़-मरोड़ कर पेश करने की वजह से भारतीय मीडिया को आड़े हाथों लिया है।

जीवन मंत्र | सद्गुरु जग्गी वासुदेव

धर्म से ऊपर उठना

योग का मूल प्रयोजन हमेशा से धर्म को एक अनुभव, एक आंतरिक अनुभव के रूप में खोजने का रहा है, न कि विश्वास के रूप में। जो कुछ भी सच है, उसका अनुभव करें और आगे बढ़ें, एक विज्ञान की तरह उस तक पहुंचें, एक विश्वास की तरह नहीं।

जैसे ही मनुष्य धार्मिक बनता है, उसके सारे झगड़ों का अंत हो जाना चाहिए। परंतु दुर्भाग्य से, संसार में हरेक जगह धर्म ही झगड़ोंका मुख्य स्रोत बन गया है। इसने अनगिनत लोगों की जान ली है और हजारों वर्षों से यह अधिकतम पीड़ा का कारण बना है। ऐसा केवल इसलिए है, क्योंकि लोग ऐसी चीजों में विश्वास करते हैं, जो दरअसल उनके अनुभव में नहीं है। कोई किसी चीज में विश्वास करता है, तो कोई दूसरा किसी अन्य चीज में विश्वास करता है, ऐसे में स्वाभाविक है कि टकराव को, झगड़े को टाला नहीं जा सकता। आज या कल वे झगड़ने ही

वाले हैं। वे झगड़े को कुछ समय के लिए टाल सकते हैं, लेकिन किसी दिन वे झगड़ेंगे। जब तक आप यह मानते हैं कि सिर्फ आपका रास्ता सही है, और दूसरा मानता है कि उसका रास्ता सही है, तब तक आप लड़ने को बाध्य हैं।

हालांकि, सभी धर्म एक आंतरिक मार्ग के रूप में शुरू हुए, मगर समय के साथ वे विकृत होते गए और कोरी मान्यताओं का एक बंडल बन गए। यद्यपि सभी धर्मों ने मानव जीवन की महत्ता बताई है, उसी धर्म का वास्ता देकर आज आप एक-दूसरे की जान लेने को उतारू हो जाते हैं। दुर्भाग्य से, इसी कारण इस ग्रह (धरती) पर ज्यादा पीड़ा और संघर्ष का उदय हुआ है। मुझे लगता है कि इसकी मूल समस्या को सही तरीके से नहीं सुलझाया गया है। लोग हमेशा एक समूह और दूसरे समूह के बीच अस्थायी समाधान निकालते रहते हैं। लेकिन ये अस्थायी समाधान बहुत दिन नहीं टिकते और फिर संघर्ष उभर आता है।

इस लड़ाई का कारण सिर्फ इतना है कि लोग किसी खास मान्यता पर विश्वास करते हैं। किसी ऐसी मान्यता पर, जो उनके लिए वास्तविक ही नहीं है, फिर भी वे उसमें विश्वास करते हैं। अगर आप वास्तविकता को देखें, तो यह हर किसी के लिए एक समान है : हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, सबके लिए। जब आप धर्म को देखते हैं, तो हर धर्म की अपनी मान्यता है कि क्या सही है और क्या गलत। आपने जो बात देखी नहीं, महसूस नहीं की, आप उसको भी मान लेते हैं। कई मायने में यही सारे झगड़ों की जड़ बन गई है।

योग का मूल प्रयोजन हमेशा से धर्म को एक अनुभव, एक आंतरिक अनुभव के रूप में खोजने का रहा है, न कि विश्वास के रूप में। जो कुछ भी सच है, उसका अनुभव करें और आगे बढ़ें, एक विज्ञान की तरह उस तक पहुंचें, एक विश्वास की तरह नहीं। योग में हम सिर्फ यह देखते हैं कि मूलतः एक मनुष्य अपने उच्चतम स्वरूप तक पहुंच सकता है या विकास कर सकता है। ऐसा वह अपने शरीर, मन, भावनाओं के माध्यम से या आंतरिक ऊर्जाओं से कर सकता है।

जीवन ऊर्जा | विंस्टन चर्चिल: जन्म 30 नवंबर 1874 | जन्म

कभी हार मत मानो

विंस्टन चर्चिल एक महान ब्रिटिश नेता, लेखक और प्रेरणादायक वक्ता थे। उनका जन्म 30 नवंबर 1874 को इंग्लैंड में हुआ। वह द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटेन के प्रधानमंत्री थे और अपने दृढ़ नेतृत्व के लिए प्रसिद्ध हुए। उनका निधन 24 जनवरी 1965 को लंदन में हुआ।

सफलता अंतिम नहीं है, असफलता घातक नहीं है, यह साहस है जो मायने रखता है। साहस को मानव गुणों में प्रथम माना जाता है क्योंकि यह अन्य सभी गुणों की गारंटी देता है। लगातार प्रयास ही हमारी क्षमता को खोलने की कुंजी है, न कि ताकत या बुद्धिमत्ता। हर किसी के जीवन में एक ऐसा खास क्षण आता है जब उसे कुछ असाधारण करने का अवसर मिलता है। दृष्टिकोण एक छोटी चीज है जो बड़ा बदलाव ला सकती है। हम अपनी आजीविका पाने के लिए जो कमाते हैं, उससे जीते हैं, लेकिन हम जो देते हैं, उससे जीवन बनता है। विजयी बनने के लिए कठिनाइयों पर काबू पाना आवश्यक है। निराशावादी हर अवसर में कठिनाई देखता है, जबकि आशावादी हर कठिनाई में अवसर देखता है। जीवन जीने के लिए पर्याप्त नहीं है,

हमें किसी उद्देश्य के लिए दृढ़संकल्प होना चाहिए। जितना अधिक आप पीछे देख सकते हैं, उतना ही आगे देखने में सक्षम होंगे। पतंग हवा के विपरीत दिशा में सबसे ऊंची उड़ती है, उसके साथ नहीं। अगर आप नरक से गुजर रहे हैं, तो चलते रहिए। क्या आपके दुश्मन हैं? अच्छा है, इसका मतलब है कि आपने जीवन में किसी चीज के लिए खड़ा होना सीखा है। हर काम एक आशीर्वाद और एक जिम्मेदारी है। सफलता असफलताओं से सीखने और उत्साह बनाए रखने का नाम है। गहन जटिलताओं से गहन सरलताएं उभरती हैं। युद्ध में दृढ़ संकल्प, हार में प्रतिरोध, और विजय में उदारता होनी चाहिए। इतिहास मेरे प्रति दयालु रहेगा क्योंकि मैं इसे लिखने का इरादा रखता हूं। महानता की कीमत जिम्मेदारी है। पतंग हवा के खिलाफ सबसे ऊंची उड़ती है, उसके साथ नहीं। यदि आप हर भौंकने वाले कुत्ते पर पत्थर फेंकते रहेंगे, तो आप अपने गंतव्य तक कभी नहीं पहुंचेंगे। कभी हार मत मानो। मैं आशावादी हूं क्योंकि अन्य कुछ होने में कोई उपयोग नहीं है। हर किसी का दिन आता है, और कुछ दिनों का समय थोड़ा लंबा होता है। जो कुछ भी पर्याप्त है, वह किसी भी मानक पर खरा नहीं उतरता।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

अष्टम भाव में केतु के प्रभाव

केतु विरक्ति कारक है। केतु त्याग का दूसरा नाम है। केतु मुक्ति का मार्ग है। केतु आपकी अंतर आत्मा है। केतु का आपका परमात्मा से सीधा सम्बन्ध है। अष्टम भाव समाधि और रहस्यों, आयु / मृत्यु / का भाव है अष्टम भाव वसीयत पैतृक सम्पत्ति, बहुत बड़े बदलाव,ऐक्सिडेंट और असाध्य रोगों का भी है। अष्टम भाव से अचानक जुआ सट्टा से मिला धन और गुप्त विद्याओं का भी विचार किया जाता है। अष्टम भाव ससुराल और सेक्सुअल स्कैंडल का भी है अष्टम भाव से ही ज्योतिष देखा जाता है।

अष्टम भाव के केतु के प्रभाव

1 - अष्टम भाव बाधा का घर है और केतु को कुजावत केतु कहा गया है अर्थात मंगल के समान तेज़ और अचानक परिणाम देने वाला। अष्टम भाव में केतु अचानक बड़ी बाधा देने में सक्षम है।

2 - अष्टम भाव में केतु हो तो व्यक्ति के पास इन्ट्यूशन पॉवर होती है। ऐसा व्यक्ति भविष्य में होने वाली घटनाओं को कई बार जान लेता है। अष्टम भाव का केतु यानी शमशान पर बैठा अघोरी / फकीर जो आपको अचानक कोई दुआ दे दे, जैसे आपकी संतान नहीं होती और कोई अघोरी फकीर अचानक आपको मिले और दुआ दे और वो दुआ घटित हो जाए ये अष्टम के केतु की करामात है ।

3 - अष्टम भाव में केतु हो और उसका सम्बन्ध शुक्र, गुरु / धन भाव / एकादश भाव / चतुर्थ भाव से बने तो अचानक धन या प्रॉपर्टी प्राप्त होती है।

4 - अष्टम भाव का केतु कोई ना कोई बीमारी या सर्जरी देने में सक्षम होता है।

5 - अष्टम भाव में केतु हो तो व्यक्ति खोजी प्रकृति का होता है और रिसर्च की दुनिया से नाम कमा सकता है।

6 - अष्टम भाव में केतु हो तो व्यक्ति पहले ही मृत्यु की आहट सुन लेता है।

7 - अष्टम भाव में केतु शुभ हो तो व्यक्ति प्राकृतिक आपदा या ऐक्सिडेंट में फस कर भी जिंदा बाहर निकाल आता है जैसे भूकंप आने के बाद पूरी बिल्डिंग गिर जाने के बाद व्यक्ति नीचे से जिंदा बाहर निकल जाता है।

8 - अष्टम भाव में केतु हो तो पुत्र संतान को कष्ट रहता है या पुत्र संतान देरी से पैदा होती है

9 - अष्टम भाव में केतु पीड़ित हो तो कोई बड़ा घाव या / कमर से नीचे के रोग अवश्य देता है।

10 - अष्टम भाव में केतु हो तो उधार दिया हुआ धन मांरा जाता है।

11 - अष्टम भाव का केतु आमदनी में रुकावट / प्रोफेशन में रुकावट और समस्या दे सकता है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

सक्सेस मंत्र

निरंतर प्रयास को प्रेरणा देती है ब्रूस की कहानी

अपने लक्ष्य की तरफ बढ़ते हुए, हमारे रास्ते में कई बार रुकावटें आती हैं। हम असफल हो जाते हैं। इससे डर कर कुछ लोग अपना रास्ता बदल देते हैं, तो कुछ उनकी परवाह किए बिना अपने रास्ते पर चलते रहते हैं। ऐसे में मंजिल सिर्फ उन्हीं लोगों को मिलती है, जो प्रयास करना बंद नहीं करते हैं। लेकिन हमें यह समझना चाहिए कि असफलताएं तो रास्ते के वह पड़ाव हैं, जो आगे बढ़ने के लिए सीख देते हैं। इसी बात और सुदृढ़ करती है सम्राट ब्रूस की यह कहानी-स्काटलैंड का सम्राट ब्रूस को अभी गद्दी पर बैठे ज्यादा समय नहीं हुआ था कि दुश्मनों ने आक्रमण कर दिया। बड़ी मुश्किल से संभल पाया था कि दुबारा फिर हमला कर दिया गया। हारते-हारते बचा। इसके बाद इस बार कई राजाओं ने हमला कर दिया, तो बेचारे की राजगद्दी भी छिन गई। लगातार चौदह बार की असफलताओं के कारण उसके सैनिक भी कहने लगे कि ब्रूस के भाग्य में सब कुछ है, पर विजय नहीं, उन्होंने साथ छोड़ दिया। निराश ब्रूस एक पहाड़ी पर बैठा था। उसका राजपाट सब छिन चुका था। वफादार सैनिक कुछ कैद कर लिए गए थे, कुछ मारे गए और जो बचे थे उन्होंने ब्रूस का साथ छोड़ दिया था। अचानक उसकी नजर एक मकड़ी पर पड़ी जो हवा में उड़कर एक-दूसरे पेड़ की टहनी से जोड़कर जाला बुनना चाह रही थी। मगर, उसका जाला हर बार टूट जाता था। ब्रूस ने देखा कि मकड़ी ने 20 बार प्रयत्न किया, फिर भी हिम्मत न हारी। 21 वें बार अन्ततः वह सफल हो गई, तो ब्रूस उछला और बोला - अभी तो सात अवसर बाकी हैं, अभी हिम्मत क्यों हारूं? उसने एक बार फिर अपनी सारी ताकत बटोरकर चढ़ाई शुरू कर दी। वह अपने महल पहुंचा और दुश्मनों पर हमला बोल दिया। उसने न केवल अपना राज्य वापस कर लिया, बल्कि सभी दुश्मनों को परास्त करता हुआ सबका सम्राट बन बैठा।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

बाल कविता

सुनो भई गप्प

सुनो भई गप्प, सुनो भई शप्प,
नाव में नदिया डूबी जाए।

चींटी चली बज़ार को,
नौ मन मल के तेल,

ईंटें दो बग़ल में ले लीं,
सिर पर धर ली रेल।

सुनो भई गप्प, सुनो भई शप्प,
नाव में नदिया डूबी जाए।

गधा चढ़ा खजूर पर,
खाने को अंगूर,

पीठ पे उसके नाच रहे थे,
पाँच-पाँच लंगूर।

सुनो भई गप्प, सुनो भई शप्प,
नाव में नदिया डूबी जाए।

हाथी ढम-ढम ढोल बजाए,
ऊँट खाट पर सोए,

बिल्ली सबकी रोटी सेके,
घोड़ा कपड़े धोए।

सुनो भई गप्प, सुनो भई शप्प,
नाव में नदिया डूबी जाए।

❑ शिवराम

तेलीराम की कहानी

हीरों का सच

एक बार राजा कृष्णदेवराय दरबार में बैठे मंत्रियों के साथ विचार विमर्श कर रहे थे कि तभी एक व्यक्ति उनके सामने आकर कहने लगा,"महाराज मेरे साथ न्याय करें। मेरे मालिक ने मुझे धोखा दिया है। इतना सुनते ही महाराज ने उससे पूछा, तुम कौन हो? और तुम्हारे साथ क्या हुआ है।"

"अन्नदाता मेरा नाम नामदेव है। कल मैं अपने मालिक के साथ किसी काम से एक गाँव में जा रहा था। गर्मी की वजह से चलते-चलते हम थक गए और पास में स्थित एक मंदिर की छाया में बैठ गए। तभी मेरी नज़र एक लाल रंग की थैली पर पड़ी जो की मंदिर के एक कोने में पड़ी हुई थी। मालिक की आज्ञा लेकर मैंने वो थैली उठा ली उसे खोलने पर पता चला कि उसके अंदर बेर के आकार के दो हीरे चमक रहे थे। हीरे मंदिर में पाए गए थे इसलिए उन पर राज्य का अधिकार था। परन्तु मेरे मालिक ने मुझसे ये बात किसी को भी बताने से मना कर दिया और कहा कि हम दोनों इसमें से एक-एक हीरा रख लेंगे। मैं अपने मालिक की गुलामी से परेशान था इसलिए मैं अपना काम करना चाहता था जिसके कारण मेरे मन में लालच आ गया।हवेली आते ही मालिक ने हीरे देने से साफ़ इनकार कर दिया।यही कारण है कि मुझे इन्साफ चाहिए।

महाराज ने तुरंत कोतवाल को भेजकर नामदेव के मालिक को महल में पेश होने का आदेश दिया। नामदेव के मालिक को जल्द ही राजा के सामने लाया गया । राजा ने उससे हीरों के बारे में पूछा तो वह बोला, "महाराज ये बात सच है कि मंदिर में हीरे मिले थे लेकिन मैंने वो हीरे नामदेव को देकर उन्हें राजकोष में जमा करने को कहा था। जब वह वापस लौटा तो मैंने उससे राजकोष की रशीद मांगी तो वह आनाकानी करने लगा। मैंने जब इसे धमकाया तो ये आपके पास आकर मनगढ़त कहानी सुनाने लगा।"

"अच्छा, तो ये बात है।" महाराज ने कुछ सोचते हुए कहा – "क्या तुम्हारे पास इस बात का कोई सबूत है

कि तुम सच बोल रहे हो?" "अन्नदाता अगर आपको मेरी बात पर यकीं नहीं तो आप मेरे दूसरे तीनों नौकरों से पूछ सकते हो। वो उस वक्त वहीं थे ।"

उसके बाद तीनों नौकरों को राजा के सामने लाया गया। तीनों ने नामदेव के खिलाफ गवाही दी। महारज तीनों नौकरों और मालिक को वही बिठा कर अपने विश्राम कक्ष में चले गए और सेनापति.तेनालीराम, महामंत्री को भी इस विषय में बात करने के लिया वहाँ बुलवा लिया। उनके पहुँचने पर महाराज ने महामंत्री से पूछा, "आपको क्या लगता है ? क्या नामदेव झूठ बोल रहा है ?"

"जी महाराज! नामदेव ही झूठा है। उसके मन में लालच आ गया होगा और उसने हीरे अपने पास ही रख लिए होंगे।" सेनापति ने गवाहों को झूठा बताया। उसके हिसाब से नामदेव सच बोल रहा था। तेनालीराम चुपचाप खड़ा सब की बातें सुन रहा था। तब महाराज ने उसकी ओर देखते हुए उसकी राय मांगी। तेनालीराम बोला , "महाराज कौन झूठा है और कौन सच्चा इस बात का अभी पता लग जायेगा परन्तु आप लोगों को कुछ समय के लिए पर्दे के पीछे छुपना होगा।" महाराज इस बात से सहमत हो गए क्योंकि वो जल्दी से जल्दी इस मसले को सुलझाना चाहते थे इसीलिए पर्दे के पीछे जाकर छुप गए।महामंत्री और सेनापति मुंह सिकोड़ते हुए पर्दे के पीछे चले गए।

अब विश्राम कक्ष में केवल तेनालीराम ही दिखाई दे रहा था। अब उसने सेवक से कहकर पहले गवाह को बुलाया। गवाह के आने पर तेनालीराम ने पूछा,"क्या तुम्हारे मालिक ने तुम्हारे सामने नामदेव को हीरे दिए थे।"

"जी हाँ।"

फिर तो तुम्हें हीरे के रंग और आकार के बारे में भी पता होगा। तेनालीराम ने एक कागज़ और कलम गवाह के सामने करते हुए उससे कहा लो मुझे इस पर हीरे का चित्र बनाकर दिखाओ । इतना सुनते ही उसकी सिट्टी -पिट्टी गुल हो गयी और बोला,"मैंने हीरे नहीं देखे क्योंकि वो लाल रंग की थैली में थे।"

"अच्छा अब चुपचाप वहाँ जाकर खड़े हो जाओ ।"

अब दूसरे गवाह को बुलाकर उससे भी यही प्रश्न पूछा गया।उसने हीरो के रंग के बारे में बताकर कागज़ पर दो गोल -गोल आकृतियाँ बनाकर अपनी बात साबित की। फिर उसे भी पहले गवाह के पास खड़ा कर दिया गया और तीसरे गवाह को बुलाया गया।

उसने बताया कि हीरे भोजपत्र की थैली में थे। इस वजह से वह उन्हें देख नहीं पाया। इतना सुनते ही महाराज पर्दे के पीछे से सामने आ गए ।महाराज को देखते ही तीनों घबरा गए और समझ गए कि अब सच बोलने में ही उनकी भलाई है। तीनों महाराज के पैरों को पकड़कर माफ़ी मांगने लगे और बोले हमें झूठ बोलने के लिए हमारे मालिक ने धमकाया था और नौकरी से निकालने की धमकी दी थी इसीलिए हमें झूठ बोलना पड़ा। महाराज ने तुरंत मालिक के घर की तालाशी के आदेश दे दिए। तालाशी लेने पर दोनों हीरे बरामद कर लिए गए। सजा के तौर पर मालिक को दस हज़ार स्वर्ण मुद्राएं नामदेव को देनी पड़ी और बीस हज़ार स्वर्ण मुद्राएं जुर्माने के तौर पर भरनी पड़ी जबकि बरामद हुए दोनों हीरे राजकोष में जमा कर लिए गए। इस प्रकार तेनालीराम की मदद से महाराज ने नामदेव के हक में फैसला सुनाया।

हिंदी लोक-कथा

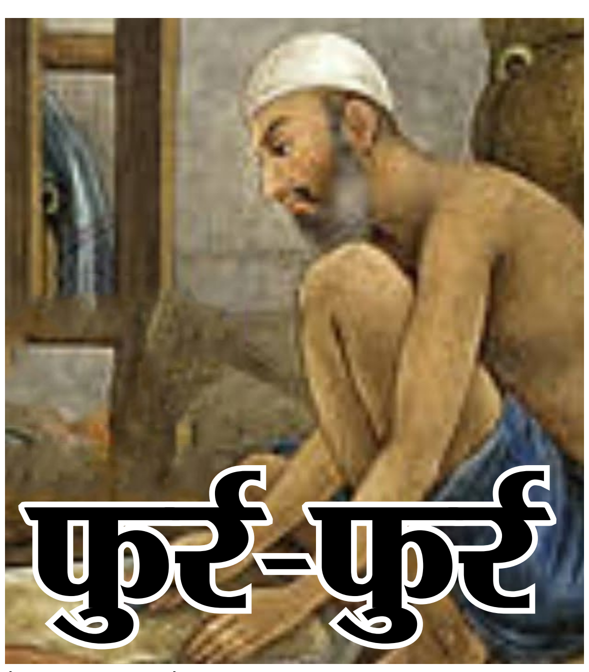

फुर्र-फुर्र

एक जुलाहा सूत कातने के लिए रुई लेकर आ रहा था। वह नदी किनारे सुस्ताने के लिए बैठा ही था कि जोर की आँधी आई। आँधी में उसकी सारी रुई उड़ गई। जुलाहा घबराया--अगर बिना रुई के घर पहुँचा तो मेरी पत्नी तो बहुत नाराज़ होगी। घबराहट में उसे कुछ न सूझा। उसने सोचा, यही बोल दूँगा-फुर्र-फुर्र। और वह फुर्र-फुर्र बोलता जा रहा था। आगे एक चिड़ीमार पक्षी पकड़ रहा था।

जुलाहे की फुर्र-फुर्र सुनकर सारे पक्षी उड़ गए। चिड़ीमार को बहुत गुस्सा आया। वह जुलाहे पर बहुत चिल्लाया तुमने मुझे बरबाद कर दिया। आगे से तुम ऐसा कहना, पकड़ो! पकड़ो!

जुलाहा जोर-जोर से "पकड़ो! पकड़ो!ै रटता गया। रास्ते में कुछ चोर रुपए गिन रहे थे। जुलाहे की "पकड़ो! पकड़ो!ै सुनकर वे घबरा गए। फिर उन्होंने देखा कि अकेला जुलाहा ही चला आ रहा था। चोरों ने उसे पकड़ा और घूरते हुए कहा-यह क्या बक रहे हो? हमें मरवाने का इरादा है क्या? तुम्हें कहना चाहिए, इसको रखो, ढेरों लाओ, समझे ?

जुलाहा यही कहता हुआ आगे बढ़ गया-इसको रखो, ढेरों लाओ। जब वह श्मशान के पास से गुजर रहा था तो वहाँ गाँववाले शवों को जला रहे थे। उस गाँव में हैजा फैला हुआ था। लोगों ने जुलाहे को कहते सुना, 'इसको रखो, ढेरों लाओ', तब उन्हें बड़ा गुस्सा आया। वे चिल्लाए, तुम्हें शर्म नहीं आती है? हमारे गाँव में इतना भारी दुख फैला है और तुम ऐसा बकते हो। तुम्हें कहना चाहिए यह तो बड़े दुख की बात है।

जुलाहा शर्म से पानी-पानी हो गया। वह यही रटता हुआ आगे बढ़ने लगा-यह तो बड़े दुख की बात है। कुछ देर बाद वह एक बरात के पास से गुजरा। बरातियों ने उसे यह कहते हुए सुना, 'यह तो बड़े दुख की बात है, यह तो बड़े दुख की बात है।' इतना सुनकर वे जुलाहे को पीटने के लिए तैयार हो गए। बड़ी मुश्किल से उसने सफाई दी तो उन्होंने कहा-- सीधे से आगे बढ़ो, और हाँ, अब तुम यह रटते जाना-भाग्य में हो तो ऐसा सुख मिले।

अब जुलाहा यही रटता हुआ अपनी राह चल पड़ा। चलते-चलते अँधेरा हो गया। घर से निकलते समय उसकी पत्नी ने उससे यही कहा था कि "जहाँ रात हो जाए वहीं सो जाना।' जुलाहा थक भी गया था। वह वहां सो गया।

अगले दिन जब सुबह उसके मुँह पर पानी पड़ा, तब जुलाहा हड़बड़ा कर उठा। आँखें खोलीं तो देखता ही रह गया-यह तो उसी का घर था। और अभी-अभी उसकी पत्नी ने ही उस पर पानी फेंका था। जुलाहे के मुँह से निकला-भाग्य में हो तो ऐसा सुख मिले।

पंचतंत्र की कहानी

सियार और ढोल

एक बार एक जंगल के निकट दो राजाओं के बीच घोर युद्ध हुआ। एक जीता दूसरा हारा। सेनाएं अपने नगरों को लौट गईं। बस, सेना का एक ढोल पीछे रह गया। उस ढोल को बजा-बजाकर सेना के साथ गए भाट व चारण रात को वीरता की कहानियां सुनाते थे।

युद्ध के बाद एक दिन आंधी आई। आंधी के जोर में वह ढोल लुढ़कता-पुढ़कता एक सूखे पेड़ के पास जाकर टिक गया। उस पेड़ की सूखी टहनियां ढोल से इस तरह से सट गई थीं कि तेज हवा चलते ही ढोल पर टकरा जाती थीं और ढमाढम-ढमाढम की गुंजायमान आवाज होती।

एक सियार उस क्षेत्र में घूमता था। उसने ढोल की आवाज सुनी। वह बड़ा भयभीत हुआ। ऐसी अजीब आवाज बोलते पहले उसने किसी जानवर को नहीं सुना था। वह सोचने लगा कि यह कैसा जानवर है, जो ऐसी जोरदार बोली बोलता है 'ढमाढम'। सियार छिपकर ढोल को देखता रहता, यह जानने के लिए कि यह जीव उड़ने वाला है या चार टांगों पर दौड़ने वाला।

एक दिन सियार झाड़ी के पीछे छुपकर ढोल पर नजर रखे था। तभी पेड़ से नीचे उतरती हुई एक गिलहरी कूदकर ढोल पर उतरी। हलकी-सी ढम की आवाज भी हुई। गिलहरी ढोल पर बैठी दाना कुतरती रही।

सियार बड़बड़ाया, 'ओह! तो यह कोई हिंसक जीव नहीं है। मुझे भी डरना नहीं चाहिए।'

सियार फूंक-फूंककर कदम रखता ढोल के निकट गया। उसे सूंघा। ढोल का उसे न कहीं सिर नजर आया और न पैर। तभी हवा के झोंके से टहनियां ढोल से टकराईं। ढम की आवाज हुई और सियार उछलकर पीछे जा गिरा।

'अब समझ आया', सियार उठने की कोशिश करता हुआ बोला, 'यह तो बाहर का खोल है। जीव इस खोल के अंदर है। आवाज बता रही है कि जो कोई जीव इस खोल के भीतर रहता है, वह मोटा-ताजा होना चाहिए। चर्बी से भरा शरीर। तभी ये ढम-ढम की जोरदार बोली बोलता है।'

अपनी मांद में घुसते ही सियार बोला, 'ओ सियारी! दावत खाने के लिए तैयार हो जा। एक मोटे-ताजे शिकार का पता लगाकर आया हूं।'

सियारी पूछने लगी, 'तुम उसे मारकर क्यों नहीं लाए?'

सियार ने उसे झिड़की दी, 'क्योंकि मैं तेरी तरह मूर्ख नहीं हूं। वह एक खोल के भीतर छिपा बैठा है। खोल ऐसा है कि उसमें दो तरफ सूखी चमड़ी के दरवाजे हैं। मैं एक तरफ से हाथ डाल उसे पकड़ने की कोशिश करता तो वह दूसरे दरवाजे से न भाग जाता?'चांद निकलने पर दोनों ढोल की ओर गए। जब वे निकट पहुंच ही रहे थे कि फिर हवा से टहनियां ढोल पर टकराईं और ढम-ढम की आवाज निकली। सियार सियारी के कान में बोला, 'सुनी उसकी आवाज? जरा सोच जिसकी आवाज ऐसी गहरी है, वह खुद कितना मोटा ताजा होगा।'

दोनों ढोल को सीधा कर उसके दोनों ओर बैठे और लगे दांतों से ढोल के दोनों चमड़ी वाले भाग के किनारे फाड़ने। जैसे ही चमड़ियां कटने लगी, सियार बोला, 'होशियार रहना। एक साथ हाथ अंदर डाल शिकार को दबोचना है।'

दोनों ने 'हूं' की आवाज के साथ हाथ ढोल के भीतर डाले और अंदर टटोलने लगे। अंदर कुछ नहीं था। एक-दूसरे के हाथ ही पकड़ में आए।

दोनों चिल्लाए, 'हैं ! यहां तो कुछ नहीं है।' और वे माथा पीटकर रह गए।

सीख : बड़ी-बड़ी शेखी मारने वाले लोग भी ढोल की तरह ही अंदर से खोखले होते हैं।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष आज नया रोजगार मिलेगा। अप्रत्याशित लाभ होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। विवाद न करें। नौकरी करने वालों को ऐच्छिक स्थानांतरण एवं पदोन्नति मिलने की संभावना है।

वृष फालतू खर्च होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। चिंता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। नवीन मुलाकातों से लाभ होगा। आमदनी बढ़ेगी। रुका धन मिलने से निवेश में वृद्धि होने के योग हैं।

मिथुन विवाद से क्लेश होगा। शारीरिक कष्ट संभव है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। आपसी मतभेद, मनमुटाव बढ़ेगा। किसी से मदद की उम्मीद नहीं रहेगी। आर्थिक समस्या बनी रहेगी।

कर्क घर-बाहर तनाव रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। जल्दबाजी न करें। नई योजना बनेगी। नए अनुबंध होंगे। किसी मामले में कटु अनुभव मिल सकते हैं। सरकारी, कानूनी विवाद सुलझेंगे।

सिंह धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। यात्रा सफल रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। कानूनी बाधा दूर होकर लाभ होगा। पूँजी निवेश बढ़ेगा। पहले किए गए कार्यों का लाभदायी फल आज मिल सकेगा। संतान के कामों से खुशी होगी।

कन्या चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। पुराना रोग उभर सकता है। परिवार की स्थिति अच्छी रहेगी। रचनात्मक काम करेंगे। कर्मचारियों पर निगाह रखें। परिवार की समस्या का उचित समाधान होगा।

तुला शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। भागदौड़ रहेगी। घर-परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। राजकीय सहयोग मिलेगा। कार्यकुशलता सहयोग से लाभान्वित होंगे। काम में मन लगेगा। स्वयं का सोच अनुकूल रहेगा।

वृश्चिक चोट व रोग से बाधा संभव है। बेचैनी रहेगी। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। रोजगार मिलेगा। संतान के स्वास्थ्य में सुधार होगा। सोचे कामों में मनचाही सफलता मिलेगी।

धनु पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग को सफलता मिलेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। नए कार्यों, योजनाओं की चर्चा होगी। लाभदायी समाचार आएँगे। समाज में आपके कार्यों की प्रशंसा होगी। साहस, पराक्रम बढ़ेगा।

मकर पुराना रोग उभर सकता है। भागदौड़ रहेगी। दुःखद समाचार मिल सकता है। धैर्य रखें। अस्वस्थता बनी रहेगी। खुद के प्रयत्नों से ही जनप्रियता एवं सम्मान मिलेगा। रोजगार के क्षेत्र में संभावनाएँ बढ़ेंगी। स्थायी संपत्ति संबंधी खटपट हो सकती है।

कुंभ प्रयास सफल रहेंगे। प्रशंसा प्राप्त होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। लाभ होगा। व्यवसाय अच्छा चलेगा। कार्य क्षेत्र में नई योजनाओं से लाभ होगा। लगन, मेहनत का उचित फल मिल सकेगा।

मीन पुराने संगी-साथियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। परिश्रम का पूरा परिणाम मिलेगा। अच्छी व सुखद स्थितियाँ निर्मित होंगी। विरोधी आपकी छवि खराब करने का प्रयास कर सकते हैं।

जन्म कुंडली और व्यवसाय नौकरी

(1) सूर्य- चिकित्सक (फिजिशियन), दवाइयों से संबंधी, मैनेजमेंट राजनीति, गेहूं से संबंधी आदि।

(2) चंद्रमा- जल से संबंधित कार्य, पेय पदार्थ, दूध, डेयरी प्रोडक्ट (दही, घी, मक्खन) खाद्य पदार्थ, यात्रा से संबंधित कार्य, आईसक्रीम, ऐनीमेशन।

(3) मंगल - जमीन जायदाद विक्रय, विद्युत संबंधी, तांबे से संबंधित, सिविल इंजीनियरिंग, इलैक्ट्रीकल इंजीनियरिंग, आर्कीटैक्चर, शल्यचिकित्सक मैनेजमेंट आदिस्पोर्टस, खिलाड़ी।

(4) बुध- वाणिज्य संबंधी, एकाउटेंट, कम्प्यूटर जोब, लेखन, ज्योतिष वाणीप्रधान कार्य, ऐंकरिंग, कन्सलटैंसी, वकील, टेलीफोन विभाग डाक, कोरियर, यातायात, पत्रकारिता, मीडिया, बीमा कंपनी आदि। कथा वाचक।

(5) बृहस्पति- धार्मिक व्यवसाय, कर्मकाण्ड, ज्योतिष, अध्यापन, किताबों से संबंधित कार्य, संपादन, छपाई, कागज से संबंधित कार्य, वस्त्रोंसे संबंधित, लकड़ी से संबंधित कार्य, न्यायालय संबंधित, परामर्श।

(6) शुक्र- कलात्मक कार्य, संगीत (गायन, वादन, नृत्य), अभिनय, चलचित्र संबंधी डेकोरेशन, फैशन डिजाइनिंग, पेंटिंग, स्त्रियों से संबंधित वस्तुएं, कोस्मैटिक स्त्रियों के कपड़े, विलासितापूर्ण वस्तु (गाड़ी,वाहन आदि) सजावटी वस्तुएं मिठाई संबंधी, एनीमेशन।

(7) शनि- मशीनों से संबंधित, पुर्जों से संबंधित, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, केमिकल प्रोडक्ट, ज्वलनशील तेल (पैट्रोल, डीजल आदि) लोहे से संबंधित कच्ची धातु, कोयला, प्राचीन वस्तुएं, पुरातत्व विभाग, अधिक श्रम वाला कार्य।

प्रियंका जैन
9769994439

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

खबर संक्षेप

रांची के डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने संभाला कार्यभार

रांची। रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने शुक्रवार को अपना कार्यभार संभाल लिया। कार्यभार संभालते ही उन्होंने अपनी प्राथमिकताएं भी गिना दी। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतरना उनकी प्राथमिकता होगी। रांची के नए उपायुक्त ने यह भी कहा कि विभागों की कमियों की समीक्षा करके एक्शन प्लान के तहत काम किया जाएगा। 2011 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी मंजूनाथ भजंत्री ने समाहरणालय ब्लॉक-ए में वरुण रंजन से पदभार लिया। पदभार ग्रहण करने के बाद रांची के उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री ने कहा जिला प्रशासन सरकार की सभी जन कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतरेगा।

जिला पुलिस ने यूपी-बिहार के 133 फरार अपराधियों पर घोषित किया इनाम

गोपालगंज। गोपालगंज की पुलिस जिले में अपराध पर लगाम लगाने के लिए एक्शन मोड में दिख रही है। पुलिस ने फरार अपराधियों पर शिकंजा कसने की तैयारी शुरू कर दी है। गोपालगंज पुलिस ने बीते दिन यानी गुरुवार को यूपी-बिहार के 133 अपराधियों की लिस्ट जारी की है। साथ ही इनपर इनाम की घोषणा भी की है। इन्हें सरेंडर करने को लेकर अल्टीमेटम भी दिया गया है। अल्टीमेटम देते हुए साफ कहा गया है कि अगर ये सरेंडर नहीं करते हैं तो कोर्ट से आदेश प्राप्त कर कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की जाएगी।

तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आए मजदूर

खगड़िया। बिहार के खगड़िया जिले के महेशखूंट इलाके में पटरी के किनारे मेंटेनेंस का काम कर रहे मजदूर तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गए। इस हादसे में दो मजदूरों की मौत हो गई, जबकि एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक, बरौनी-कटिहार रेलखंड के गौछारी हाल्ट के पास शुक्रवार को दर्दनाक हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। बताया जाता है कि कुछ मजदूर रेलवे पटरी के किनारे मेंटेनेंस का काम कर रहे थे। इस दौरान तीन मजदूर वहां से गुजर रही एक एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गए। इस दुर्घटना में दो मजदूरों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद इसकी सूचना रेल पुलिस और महेशखूंट पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और घायल मजदूर को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया। महेशखूंट के थाना प्रभारी मिथिलेश कुमार ने बताया कि मृतकों की पहचान मुकेश चौरसिया और और अर्जुन शर्मा के रूप में कई गई है, जो झंझरा गांव के रहने वाले थे।

संभल जामा मस्जिद के सर्वे पर रोक

सुप्रीम कोर्ट का अहम निर्देश

एजेंसी | संभल

उत्तर प्रदेश के संभल में शाही जामा मस्जिद को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका पर सुनवाई हुई। इस मामले में मुस्लिम पक्ष को सुप्रीम कोर्ट से कुछ राहत मिली है, लेकिन हिन्दू पक्ष को भी एक महत्वपूर्ण निर्णय के रूप में सकारात्मक संकेत मिला है। सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष को इलाहाबाद हाईकोर्ट जाने का निर्देश देते हुए कहा कि जब तक हाईकोर्ट में इस मामले पर सुनवाई नहीं हो जाती, तब तक संभल की स्थानीय अदालत कोई भी अगला कदम नहीं उठाएगी।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की बेंच ने मुस्लिम पक्ष की याचिका पर टिप्पणी किए बिना उन्हें हाईकोर्ट में अपील करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि मुस्लिम पक्ष की याचिका दाखिल होने के तीन दिन के भीतर हाईकोर्ट में सुनवाई की जाएगी। मुस्लिम पक्ष के वकील हुफेजा अहमदी ने सुप्रीम कोर्ट से सर्वे रिपोर्ट दाखिल करने पर रोक लगाने की अपील की थी। हालांकि, चीफ जस्टिस ने इस मांग को ठुकरा दिया और कहा कि सर्वे रिपोर्ट को सीलबंद और गोपनीय रखा जाएगा।

हिन्दू पक्ष के लिए सकारात्मक संकेत

सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की मांग को खारिज करते हुए सर्वे रिपोर्ट के दाखिले की अनुमति दी, जिससे हिन्दू पक्ष को राहत मिली है। हिन्दू पक्ष ने दावा किया है कि मस्जिद की भूमि पर पहले हरिहर मंदिर हुआ करता था, जिसे 1526 में बाबर ने ध्वस्त कर मस्जिद बनवाई थी।

1991 का उपासना स्थल कानून और विवाद

मुस्लिम पक्ष 1991 के उपासना स्थल कानून का हवाला दे रहा है, जिसमें यह कहा गया है कि 15 अगस्त 1947 से पहले धार्मिक स्थलों के जो स्वरूप थे, उन्हें बदला नहीं जा सकता। हिन्दू पक्ष का कहना है कि यह कानून ऐतिहासिक अन्याय को सुधारने की प्रक्रिया में बाधा नहीं बन सकता।

हिंसा और राज्य सरकार की प्रतिक्रिया

संभल कोर्ट ने 19 नवंबर को सर्वे का आदेश दिया था, जिसके बाद 24 नवंबर को हुए सर्वे के दौरान बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय सड़कों पर उतर आया। इस दौरान हिंसा हुई, जिसमें चार लोगों की जान चली गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए राज्य सरकार ने मजिस्ट्रेटी जांच के साथ न्यायिक आयोग का भी गठन किया है।

पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों पर FIR दर्ज करने की मांग को लेकर PIL दायर

संभल जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हिंसा मामले में जिलाधिकारी, एसपी, एएसपी ,सीओ, कमांडेंट पीएसी व एसएचओ कोतवाली के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश जारी करने की मांग को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में जनहित याचिका (Public Interest Litigation) दायर की गई है। ये याचिका हज़रत ख़्वाजा ग़रीब नवाज़ वेलफेयर एसोसिएशन महाराष्ट्र के सचिव मोहम्मद यूसुफ के द्वारा दाखिल की गई है।

बीजेपी और RLD के 7 विधायकों ने ली शपथ

एजेंसी | लखनऊ

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व और प्रभावी रणनीति के चलते उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी और उसके सहयोगी दल राष्ट्रीय लोकदल ने उपचुनाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए 9 में से 7 सीटों पर जीत हासिल की थी। इसी के चलते आज (29 नवंबर) को यूपी विधानसभा में नवनिर्वाचित विधायकों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया था, जिसमें की सभी विजयी उम्मीदवारों ने विधायक पद के लिए शपथ ग्रहण की।

सीएम योगी बोले- ये विकास की जीत है

शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विजयी प्रत्याशियों को शुभकामनाएं देते हुए इसे प्रदेश के विकास और जनता की आस्था की जीत बताया। जिन नवनिर्वाचित विधायकों ने शपथ ली उनमें कुंदरकी से रामवीर सिंह, फूलपुर से दीपक पटेल, खैर से सुरेंद्र सिंह, गाजियाबाद से संजीव शर्मा, कटेहरी से धर्मराज निषाद, मझवां से सुचिस्मिता मौर्य और मीरापुर से रालोद की मिथलेश पाल शामिल हैं।

मनी लॉन्ड्रिंग मामला

यूपी में कई जगह ईडी का छापा

एजेंसी | गोरखपुर

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति और कारोबारी राज कुंद्रा के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उत्तर प्रदेश में अलग-अलग जगह छापा मारा। टीम यहां राज कुंद्रा प्रोडक्शन का काम देखने वाले कर्मचारी और उनके करीबियों के ठिकानों पर गई। कानपुर के अलावा, गोरखपुर और कुशीनगर में भी छापेमारी की गई है। गोरखपुर से एक युवक को हिरासत में लेने की बात सामने आई है।

राज कुंद्रा के करीबियों पर कार्रवाई

पूरा मामला समझें

मोबाइल एप के जरिए अश्लील सामग्रियों को तैयार करने और प्रसारित करने से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग जांच को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने यह कार्रवाई की है। कानपुर में शुक्रवार की सुबह ईडी ने श्याम नगर में छापेमारी की। यहां रहने वाले नर्वदा श्रीवास्तव का बड़ा बेटा अरविंद श्रीवास्तव, जो कानपुर आईआईटी से इंजीनियरिंग करने के बाद से बाहर जॉब कर रहा था। अरविंद्र श्रीवास्तव पत्नी हर्षिता श्रीवास्तव के साथ सिंगापुर में रहता है। अरविंद्र श्रीवास्तव सिंगापुर में रहकर राज कुंद्रा प्रोडक्शन का काम संभालता था। बताया जा रहा है कि टीम यहां मुंबई पुलिस के द्वारा 2021 में दर्ज हुए केस की जांच करने पहुंची थी।

टूटते परिवार भारत ही नहीं, पूरी दुनिया की है बड़ी समस्या : अवनीश भटनागर

एजेंसी | इंदौर

'परिवार, समाज जीवन का आधार' व्याख्यान में विद्या भारती के राष्ट्रीय महामंत्री, पूर्व आईएएस, लेखक, विचारक अवनीश भटनागर ने परिवार की आवश्यकता और सामुहिकता पर बल देते हुए अपनी चिंता व्यक्त की। शुक्रवार शाम, वीआईपी परस्पर नगर स्थित लता मंगेशकर सभागृह में आयोजित विद्या भारती मालवा के एक कार्यक्रम में अभिभावकों और युवाओं को संबोधित करते हुए अवनीश भटनागर ने परिवार की एकता पर जोर दिया और उसके महत्त्व बताए। उन्होंने कहा कि अपना घर, अपना परिवार यह प्रत्येक व्यक्ति का सुंदर सपना होता है। भारतीय संस्कृति के विकसित रूप में परिवार की संकल्पना भी अधिक व्यापक एवं विशाल है। इसी कारण से दुःख, विपत्तियाँ और समस्याएँ परिवार में सहजता से सुलझती हैं। परिवार की संरचना से मनुष्य मानसिक, भावनिक और अच्छे स्वास्थ्य का धनी बनता है। हमारे पूर्वजों द्वारा विकसित यह सामाजिक व्यवस्था आज बिखरती जा रही है। टूटते परिवार और रिश्ते, बिखरती सामाजिक आस्थाएँ आज हमारी ही नहीं पूरे विश्व की विकराल समस्या बन गई है। इसने मानव जीवन में कई तरह की चुनौतियां खड़ी कर दी है और हर वर्ग, आयु और लिंग के व्यक्ति इसके दंश से पीड़ित हैं। एकाकी जीवन के विचार और परिस्थितियों के कारण कई तरह के दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं। अवनीश भटनागर ने उदाहरण देकर कहा कि जंगल में जीवों का झुंड हिंसक पशु के आक्रमण को अपनी एकता से विफल कर देता है, उसी तरह एकजुट और भावनात्मक रुप से बंधे परिवार अपने किसी भी सदस्य पर आए संकट का आसानी से सामना कर लेते हैं।

परिवार की सार्थकता का वर्णन

अवनीश ने परिवार की सार्थकता बताते हुए कहा कि गणित, वैद्यक, भौतिकशास्त्र, ज्योतिषशास्त्र जैसे विषयों में भारत का मूलभूत चिंतन हैं, वैसे ही 'परिवार' संकल्पना यह भारत का विश्व को दिया हुआ महत्वपूर्ण उपहार हैं! यह हमारे मनीषियों के चिंतन की मौलिकता से उभरकर आया अमृतकुंभ हैं। आज संपूर्ण विश्व, भारतीय परिवार संस्था की शाश्वतता, चिरंतनता, मौलिकता के प्रति आश्चर्यचकित हैं। हम भारतवासी हमारे ऋषियों के प्रति कृतज्ञ हैं। परिवार यह भावनिक अवधारणा है। केवल एक छत के नीचे रहना इतना ही अर्थ नही हैं। ऐसा होता तो बड़े बड़े होटलों, मोटलों, सिनेमाघर या माल में एक छत के नीचे रहनेवालों का एक परिवार बनता परंतु वैसा नहीं हैं। एकसाथ रहनेवाले लोगों में सहज अपनापन, स्नेह, परस्पर सुख दु:ख की. सुविधा असुविधाओं का ध्यान और भान रखा जाता हैं। परस्पर विश्वास, पूरकता, सेवाभाव की अनुभूति होती हैं, आंतरिक भावनाओं का तानाबाना बुना जाता हैं उसीको हम परिवार मानते हैं, भले ही वे लोग आकाश या वृक्ष के तले रहते हो। उनमें यह आत्मीयता और संवेदनशीलता इतनी तरल होती हैं कि एक के पैर को काटां चुभता हैं तो दूसरे की आँखें में पानी आ जाता हैं। अगर कोई भी यह विचार करे कि मेरी चिंता करनेवाला, मुझे चाहनेवाला कोई हैं, यह कल्पना भी सुरक्षितता का भाव मन में भर देती है और इससे स्वस्थ व्यक्तित्व का निर्माण होता हैं !

व्यापार जगत

सेंसेक्स में जोरदार बढ़त

निचले स्तरों पर खरीदारी से सेंसेक्स 759 अंक उछला

एजेंसी | नई दिल्ली

शेयर मार्केट में शुक्रवार को जबरदस्त तेजी देखने को मिली। घरेलू स्तर पर कुछ चुनिंदा दिग्गज कंपनियों के शेयरों में लिवाली ने मार्केट का रुख सकारात्मक बना दिया। बीएसई का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 759 अंक चढ़कर 79,802.79 पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) का निफ्टी भी 216 अंक की बढ़त के साथ 24,131.10 पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स में 880 अंक की उछाल देखी गई थी, जो इसकी तेजी को साफ दर्शाता है।

निचले स्तर पर लिवाली का असर

विश्लेषकों के अनुसार, प्रमुख कंपनियों जैसे भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज में निचले स्तर पर खरीदारी होने से मार्केट में सकारात्मक माहौल बना। इन कंपनियों के शेयरों में मजबूती आई, जिससे निवेशकों का विश्वास वापस लौटा। सेंसेक्स और निफ्टी में आई यह तेजी पिछले सत्र में आई बड़ी गिरावट से उबरने में मददगार साबित हुई। गुरुवार को सेंसेक्स में 1,190 अंक की गिरावट आई थी, और निफ्टी भी 360 अंक नीचे बंद हुआ था।

अडानी समूह की कंपनियों में बढ़त

मार्केट की इस तेजी में अदाणी समूह की कंपनियों का भी अहम योगदान रहा। अदाणी ग्रीन एनर्जी और अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस में क्रमशः 21.72 प्रतिशत और 15.56 प्रतिशत की जोरदार बढ़त दर्ज की गई। इन कंपनियों के शेयरों में भारी लिवाली देखने को मिली, जिसने मार्केट को एक नई दिशा दी। इसके अलावा, बीएसई के स्मॉलकैप और मिडकैप सूचकांकों में भी 0.76 प्रतिशत और 0.31 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जो छोटे और मंझोले निवेशकों के लिए सकारात्मक संकेत है।

एफआईआई की बिकवाली

हालांकि, एक चिंता का विषय यह रहा कि विदेशी संस्थागत निवेशकों (FII) ने पिछले सत्र में 11,756.25 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की थी। इसके बावजूद घरेलू निवेशकों ने मार्केट में मजबूती बनाए रखी, जिससे मार्केट की बढ़त बरकरार रही। गौरतलब है कि आज के मार्केट के प्रदर्शन ने यह साबित किया कि मार्केट में हलचल बनी हुई है। निवेशकों को चाहिए कि वे मार्केट के उतार-चढ़ाव के बीच अवसरों को पहचानें और अपनी निवेश रणनीति के हिसाब से कदम उठाएं।

ग्लोबल मार्केट्स का मिला-जुला रुख

ग्लोबल मार्केट्स में मिलेजुले संकेत मिले। चीन और हांगकांग के मार्केटों में तेजी देखी गई, जबकि दक्षिण कोरिया और जापान के मार्केट गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के मार्केटों में भी गिरावट रही। इस बीच, अमेरिकी मार्केट 'थैंक्सगिविंग' के कारण बंद रहे, जबकि ब्रेंट क्रूड की कीमत 0.30 प्रतिशत गिरकर 73.06 डॉलर प्रति बैरल हो गई, जो वैश्विक मार्केट में कुछ राहत का संकेत है।

दूसरी-तिमाही में GDP ग्रोथ घटकर 5.4% पर आई

यह सात तिमाहियों में सबसे धीमी, एक साल पहले 8.1% पर थी

एजेंसी | नई दिल्ली

वित्त वर्ष 2025 की जुलाई-सितंबर तिमाही में भारत की जीडीपी ग्रोथ घटकर 5.4% पर आ गई है। यह सात तिमाहियों में सबसे धीमी ग्रोथ है। इससे पहले 2023 की तीसरी तिमाही में ग्रोथ 4.3% रही थी। वहीं एक साल पहले समान तिमाही (Q2FY24) में यह 8.1% थी। पिछली तिमाही यानी, Q1FY25 में ये 6.7% रही थी। भारत का ग्रॉस वैल्यू एडेड यानी GVA जुलाई-सितंबर तिमाही में 5.6% की दर से बढ़ा है। एक साल पहले की समान तिमाही में जीवीए ग्रोथ 7.7% रही थी। वहीं पिछली तिमाही में जीवीए ग्रोथ 6.8% थी। खाने-पीने के सामानों की बढ़ती कीमतों से शहरी खपत प्रभावित हुई है जिसका असर जीडीपी पर दिखा है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय यानी, NSO ने शाम 4 बजे GDP का डेटा रिलीज किया।

वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य को मापती है GDP

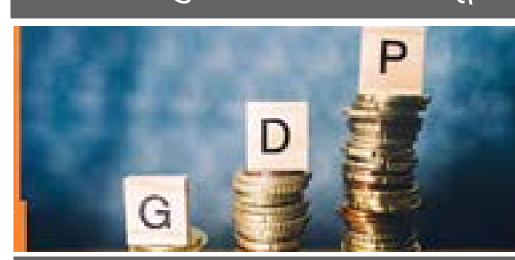

GDP यानी ग्रॉस डोमेस्टिक प्रोडक्ट देश में एक अवधि के भीतर उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के कुल मूल्य को मापती है। इसमें देश की सीमा के अंदर रहकर जो विदेशी कंपनियां प्रोडक्शन करती हैं, उन्हें भी शामिल किया जाता है। GDP इकोनॉमी की हेल्थ को बताती है।

GDP दो तरह की, रियल और नॉमिनल

GDP दो तरह की होती है। रियल GDP में वस्तुओं और सेवाओं की वैल्यू का कैलकुलेशन बेस ईयर की वैल्यू या स्टेबल प्राइस पर किया जाता है। फिलहाल GDP को कैलकुलेट करने के लिए बेस ईयर 2011-12 है। वहीं, नॉमिनल GDP का कैलकुलेशन करंट प्राइस पर किया जाता है।

सरकार मार्च 2025 तक 25 लाख टन बेचेगी गेहूं

एजेंसी | नई दिल्ली

सरकार ने गुरुवार को खाद्य वस्तुओं की महंगाई पर लगाम लगाने के लिए थोक घरेलू उपभोक्ताओं को मार्च 2025 तक 25 लाख टन एफसीआई गेहूं बेचने की घोषणा की। गेहूं की बिक्री सरकार की खुला बाजार बिक्री योजना (ओएमएसएस) पहल के तहत की जाएगी। इसका प्रबंधन सरकारी स्वामित्व वाली भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) द्वारा, आपूर्ति और कीमतों को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है। खाद्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ओएमएसएस के तहत गेहूं के लिए

आरक्षित मूल्य उचित एवं औसत गुणवत्ता (एफएक्यू) अनाज के लिए 2,325 रुपये प्रति क्विंटल और यूआरएस (थोड़ी कम गुणवत्ता वाले) अनाज के लिए 2,300 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। 31 मार्च, 2025 तक ई-नीलामी के माध्यम से निजी पक्षकारों को गेहूं बेचा जाएगा, जिसमें आटा मिलें, गेहूं उत्पाद बनाने वाले, प्रसंस्करणकर्ता और अंतिम उपयोगकर्ता शामिल हैं।

केंद्र सरकार जल्द लागू करेगी EPFO 3.0 योजना

कर्मचारी ATM से निकाल सकेंगे PF

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्र सरकार अब EPFO 3.0 योजना लाने की तैयारी कर रही है, जिसमें ग्राहकों के लिए नई सुविधाएं दी जाएंगी। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) भविष्य निधि (PF) में कर्मचारियों के योगदान पर 12 प्रतिशत की सीमा हटा सकता है। इसके अलावा, ग्राहकों को ATM के जरिए सीधे PF निकालने का विकल्प मिल सकता है, जिससे निकासी और भी आसान हो जाएगी। यह कदम PF के उपयोग को सुविधाजनक बनाने के लिए उठाया जा रहा है।

अपने हिसाब से योगदान दे सकेंगे कर्मचारी

रिपोर्ट के अनुसार, कर्मचारियों को जल्द ही अपने PF अकाउंट में बचत प्राथमिकताओं के आधार पर योगदान करने की सुविधा मिल सकती है। यह योजना कर्मचारियों को अधिक जमा करने की अनुमति भी दे सकती है। हालांकि, नियोक्ता का योगदान वेतन-आधारित रहेगा, जिससे सिस्टम में स्थिरता बनी रहेगी। सरकार का मुख्य उद्देश्य ग्राहकों को अधिक बचत करने की स्वतंत्रता देना है। ग्राहक अपनी अतिरिक्त राशि को भविष्य में उच्च पेंशन के रूप में भी बदल सकते हैं। श्रम मंत्रालय ATM के जरिए PF निकासी की सुविधा 2025 के मध्य तक शुरू करने की योजना बना रहा है। इसके तहत ग्राहकों को ATM कार्ड के जरिए PF निकालने की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा, मंत्रालय कर्मचारी पेंशन योजना 1995 (EPS-95) में बदलाव पर भी काम कर रहा है। अब कर्मचारियों को सीधे EPS-95 में योगदान करने की अनुमति मिल सकती है, जिससे वे अधिक पेंशन लाभ प्राप्त कर सकते हैं और बेहतर सेवानिवृत्ति लाभ सुनिश्चित कर सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ दो दिवसीय दिन-रात्रि मैच में हाथ खोलेंगे भारतीय बल्लेबाज

गुलाबी टेस्ट से पहले टीम इंडिया का इम्तिहान

रोहित और गिल की वापसी के बाद बल्लेबाजी संयोजन पर रहेगी निगाह

एजेंसी | कैनबरा

ऑस्ट्रेलिया प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ शनिवार से शुरू हो रहे दो दिवसीय अभ्यास मैच में टीम इंडिया एडीलेड में गुलाबी गेंद के टेस्ट से पहले अपना बल्लेबाजी संयोजन तय करने के इरादे से उतरेगी। यह दिन-रात्रि मुकाबला मानुका ओवल पर खेला जाएगा। गुलाबी गेंद के टेस्ट से पहले टीम इंडिया का कड़ा इम्तिहान होगा। कप्तान रोहित शर्मा और शुभमान गिल की वापसी के बाद से टीम के लिए अंतिम एकादश तय करना चुनौती होगा। गुलाबी गेंद सूर्यास्त के समय खेलना काफी चुनौतीपूर्ण होता है। चूंकि अभ्यास मैच को प्रथम श्रेणी मैच का दर्जा नहीं है लिहाजा भारत के अधिकांश बल्लेबाज अभ्यास करना चाहेंगे। पर्थ टेस्ट 295 रन से जीतने के बाद भारतीय टीम का मनोबल काफी बढ़ा होगा।

बल्लेबाजी क्रम में होंगे बदलाव

रोहित अपने दूसरे दूसरे बच्चे के जन्म के कारण पहले टेस्ट से बाहर रहे थे। वहीं गिल अंगूठे के फ्रैक्चर से उबरकर टीम में लौटे हैं। इससे छह दिसंबर से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट के लिए बल्लेबाजी क्रम में बदलाव हो सकता है। रोहित और यशस्वी सलामी बल्लेबाज हैं। हालांकि पर्थ में यशस्वी के केएल राहुल ने पारी की शुरुआत कर अच्छा प्रदर्शन किया था। ऐसे में रोहित बल्लेबाजी क्रम में नीचे भी उतर सकते हैं। ऐसा होने पर गिल का क्रम भी बदलेगा। भारत को अभ्यास मैच में ही ये प्रयोग करने होंगे। यह दो दिवसीय मैच ही है जिसमें गेंदबाजों की बजाय बल्लेबाजों को अधिक अभ्यास की जरूरत है।

टीमें

- भारत : रोहित (कप्तान), बुमराह, यशस्वी, अभिमन्यु ईश्वरन, गिल, कोहली, राहुल, पंत, सरफराज, जुरेल, अश्विन, जडेजा, सिराज, आकाश दीप, कृष्णा, हर्षित, नितिश, सुंदर।
- प्रधानमंत्री एकादश : जैक (कप्तान), चार्ली, बीयर्डमैन, बोलैंड, जैक क्लेटन, ओकोनोर, ओली डेविस, जेडेन गुडविन, सैम हार्पर, हान्नो जैकब्स, कोंस्टास, लॉयड पोप, मैथ्यू रेनशॉ, जेम रियान।

कोहली एकमात्र शतकवीर

विराट कोहली गुलाबी गेंद से शतक जड़ने वाले एकमात्र भारतीय हैं। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ नवंबर 2019 में कोलकाता में खेले गए भारत के पहले दिन-रात्रि टेस्ट में 136 रन की पारी खेली थी। टीम ने यह मुकाबला पारी और 46 रन से जीता था। उन्होंने चार मैच में 46.16 की औसत से भारत की ओर से सर्वाधिक 277 रन बनाए हैं।

चार साल पहले एडीलेड में मिली थी हार

टीम इंडिया ने अब तक चार दिन-रात्रि मुकाबले खेले हैं। इसमें से तीन जीते और एक हारा है। उसे यह हार 2020 में इसी एडीलेड मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के ही हाथों आठ विकेट से मिली थी। कोहली की टीम दूसरी पारी में मात्र 36 रन पर ढेर हो गई थी जो उसका टेस्ट क्रिकेट का सबसे न्यूनतम स्कोर है। इसके बाद टीम ने गुलाबी गेंद से दो मैच खेले और दोनों में जीत दर्ज की।

'यशस्वी-राहुल ही करें पारी का आगाज'

एजेंसी | कैनबरा

चेतेश्वर पुजारा चाहते हैं कि केएल राहुल दूसरे टेस्ट में भी यशस्वी के साथ पारी की शुरुआत करें और कप्तान रोहित तीसरे नंबर पर उतरें। ऑस्ट्रेलिया के पिछले दो दौरों पर भारतीय बल्लेबाजी की रीढ रहे पुजारा का मानना है कि पहले टेस्ट में मिली जीत के बाद सलामी जोड़ी में बदलाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि बल्लेबाजी क्रम में बदलाव नहीं होना चाहिए। केएल और यशस्वी पारी का आगाज करें और रोहित तीसरे, शुभमान पांचवें नंबर पर उतरें।

बूम बूम बुमराह

अजीब गेंदबाजी एक्शन बुमराह को पूरा पैकेज बनाता है : स्मिथ

एजेंसी | मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख बल्लेबाज स्टीव स्मिथ का मानना है कि भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का विचित्र गेंदबाजी एक्शन और असाधारण कौशल उन्हें संपूर्ण पैकेज बनाता है। नियमित कप्तान रोहित की गैर मौजूदगी में कप्तानी करते हुए बुमराह ने पहले टेस्ट में आठ विकेट लिए और 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुने गए । स्मिथ ने कहा, उसके रनअप की शुरुआत से ही उसका गेंदबाजी एक्शन अजीब है। वह अलग ही तरह से दौड़ता है और उसके एक्शन का आखिरी मूवमेंट भी विचित्र है। मैंने उसका सामना काफी बार किया है और हर बार उसके खिलाफ क्रीज पर जमने में समय लगता है। वह आपके करीब आकर गेंद छोड़ता है जिससे आपको समय ही नहीं मिल पाता। इसके अलावा वह गेंद को दोनो ओर से स्विंग करा सकता है। रिवर्स स्विंग, धीमी गेंद, अच्छे बाउंसर, उसके पास सब कुछ है। वह एक गेंदबाज के तौर पर पूरा पैकेज है। पहले टेस्ट की पहली पारी में स्मिथ को बुमराह ने ही आउट किया था।

अर्धशतक से एक विकेट दूर

वुमराह इस सत्र में विकेटों का अर्धशतक पूरा करने से 1 विकेट दूर हैं। स्विंग का यह जादूगर अब तक 10 मैच की 20 पारियों में 3.04 की इकोनॉमी से 49 विकेट चटका चुका हैं। तीन बार पांच-पांच विकेट भी शामिल हैं। अश्विन (46 विकेट) दूसरे और इंग्लैंड के शोएब बशीर (45 विकेट) तीसरे नंबर पर हैं।

इगा ने डोपिंग में एक महीने का निलंबन स्वीकारा

एजेंसी | लंदन

पांच बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन इगा स्वियातेक ने प्रतिबंधित पदार्थ ट्राइमेटाजिडीन (टीएमजेड) के लिए पॉजिटिव पाए जाने के बाद एक महीने का निलंबन स्वीकार कर लिया है। अंतरराष्ट्रीय टेनिस इंटिग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) ने गुरुवार को यह घोषणा की। अगस्त में इगा प्रतियोगिता से बाहर हुई जांच में विफल रही। आईटीआईए ने पोलैंड की 23 साल की खिलाड़ी के स्पष्टीकरण को स्वीकार कर लिया कि यह अनजाने में हुआ था। स्वियातेक यह बिना पर्चे वाली दवा 'मेलाटोनिन' जेट लैग और नींद की समस्याओं के लिए ले रही थी।

मुंबई के मैदानों से

वेंगसरकर क्रिकेट अकादमी चैंपियन

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मेजबान ड्रीम 11 वेंगसरकर क्रिकेट अकादमी ने एक संघर्षपूर्ण मुकाबले में किंगलि स्पोर्ट्स क्लब को चार रनों के अंतर पराजित करके ड्रीम 11 कप अंडर-12 के खिताब पर कब्जा कर लिया। चर्चगेट स्थित ओवल मैदान पर ड्रीम 11 वेंगसरकर क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 30 ओवरों में सात विकेट के नुकसान पर 192 रनों का स्कोर खड़ा किया। निखिल अहिरवाल ने 59 और स्तावन मोरे ने नाबाद 54 रनों का योगदान दिया। किंगलि स्पोर्ट्स क्लब के बल्लेबाजों ने 65 रन बनाने वाले रिदित पूजारी की अगुवाई में जोरदार दम-खम दिखाया, लेकिन उनकी टीम जीत से मात्र चार रन दूर रह गई। पूर्व भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान दिलीप वेंगसरकर के हाथों विजयी टीम को पुरस्कार वितरण किये गए।

सिद्धार्थ ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

एजेंसी | नई दिल्ली

तेज गेंदबाज सिद्धार्थ कौल ने गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया। उन्होंने 2018-19 में तीन वनडे में 179 रन और इतने ही टी-20 मैच 84 रन बनाए हैं। आईपीएल में दिल्ली, कोलकाता, हैदराबाद और बेंगलुरु से खेल चुके पंजाब के 34 वर्षीय कौल ने सोशल मीडिया पर यह घोषणा की। उन्होंने एक्स पर लिखा, अब भारत में अपने करियर को खत्म करने और संन्यास की घोषणा करने का समय आ गया है। कौल 2008 में अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे। इस टीम में कोहली और जडेजा भी शामिल थे। उन्होंने हालांकि विदेशी लीग में खेलने का विकल्प खुला रखा है। उन्होंने पंजाब के लिए 88 प्रथम श्रेणी मैच में 297 विकेट चटकाए। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने 111 लिस्ट ए मुकाबलों में 199 और 145 टी-20 मैच में 182 विकेट हासिल किए। कौल 155 विकेट के साथ विजय हजारे ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 120 विकेट के साथ सबसे सफल गेंदबाज हैं।

भारत ने जापान को 3-2 से हराया

एजेंसी | मस्कट

भारतीय हॉकी टीम ने जूनियर एशिया कप में अपना विजयी अभियान जारी रखा है। आमिर अली की टीम ने गुरुवार को जापान को रोमांचक मुकाबले में 3-2 से पराजित किया। टीम के लिए थोकचोम किंगसन सिंह (12वें मिनट), रोहित (36वें मिनट)अरिजीत सिंह हुंडाल (39वें मिनट) ने गोल किए। जापान के लिए दोनों गोल नियो सातो (15वें, 38वें मिनट) में किए। गत चैंपियन भारत ने पहले मुकाबले में थाईलैंड को 11-0 से धोया था। दिन के अन्य मैच में पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 6-0 से पराजित किया।

रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म से वापसी करने को तैयार इमरान खान

अभिनेता इमरान खान साल 2015 से सिल्वर स्क्रीन से गायब हैं। हालांकि, खबरें हैं कि वो अब एक नए नेटफ्लिक्स प्रोजेक्ट के साथ वापसी करने वाले हैं। यह फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी होगी, जिसका निर्देशन दानिश असलम करेंगे। दानिश ने इमरान की फिल्म 'ब्रेक के बाद' का भी निर्देशन किया था। वहीं, इस नेटफ्लिक्स प्रोजेक्ट में नजर आने वालीं अभिनेत्री को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। एक नाम भी सामने आया है।

इमरान खान के अपोजिट नजर आएंगी भूमि पेडनेकर

कथित तौर पर अभिनेत्री भूमि पेडनेकर इस बहुप्रतीक्षित फिल्म में इमरान खान के अपोजिट नजर आएंगी। हालांकि, अभिनेत्री ने अभी तक कॉन्ट्रैक्ट पर साइन नहीं किया है। अगर वह फिल्म का हिस्सा बनती हैं तो यह 'भक्षक' और आगामी 'द रॉयल्स' के बाद नेटफ्लिक्स इंडिया के साथ उनका तीसरा सहयोग होगा। फिल्म की स्क्रिप्ट फिलहाल अपने अंतिम चरण में है, जिसका मसौदा अगले महीने पूरा होने की उम्मीद है। इसके तुरंत बाद प्री-प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा और टीम की योजना मार्च 2025 में शूटिंग शुरू करने की है। इमरान के फैंस उनकी स्क्रीन पर वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

पहली फिल्म के बाद दो साल तक कल्कि को नहीं मिली कोई फिल्म

अभिनेत्री कल्कि कोचलिन ने अनुराग कश्यप के निर्देशन वाली फिल्म देव डी से अपने अभिनय करियर की शुरूआत की थी। अभिनेत्री ने अपने इस चुनौतीपूर्ण दौर को याद करते हुए बताया है कि एक वक्त पर उन्होंने वड़ा पाव खा कर गुजारा किया और आने-जाने के लिए लोकल ट्रेनों का इस्तेमाल किया। ऑल अबाउट ईव के साथ एक बातचीत के दौरान कल्कि कोचलिन ने देव डी के बाद अपने जीवन में मिले बड़े पेशेवर झटके का सामना करने को लेकर बात की है। अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म के लिए तारीफें मिलने के बाद भी उन्हें दो साल तक कोई और फिल्म नहीं मिली थी। कल्कि ने कहा, 'देव डी के ठीक बाद, लगभग दो साल तक मेरे पास कोई और फिल्म नहीं थी। मुझे लगता है कि अगली फिल्म जिंदगी ना मिलेगी दोबारा थी।'

वड़ा पाव खाकर गुजारे दिन

अभिनेत्री ने आगे कहा कि उन्होंने इस दौरान खुद को एक नाटक के द्वारा व्यस्त रखा, जो उन्होंने एक लाख रुपये का ईनाम जीतने के बाद बनाया था। इस दौरान उन्होंने वड़ा पाव खाकर गुजारा किया और आने-जाने के लिए लोकल ट्रेनों का इस्तेमाल किया। अभिनेत्री ने आगे स्वीकार करते हुए कहा कि उन्होंने जहां से शुरू किया था, उससे काफी आगे आ चुकी हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे कई काम हैं, जो उन्होंने सिर्फ पैसे के लिए किए।

सामंथा रुथ प्रभु के पिता जोसेफ प्रभु का निधन

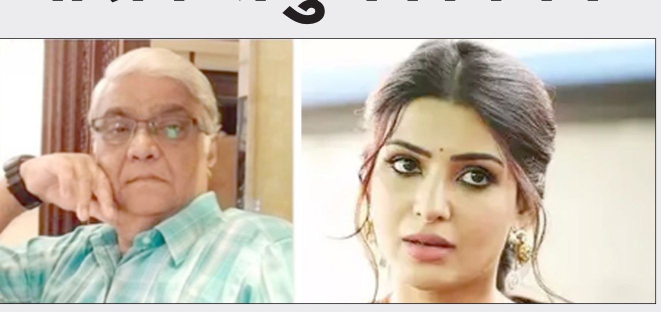

सामंथा रुथ प्रभु के पिता जोसेफ प्रभु का निधन हो गया है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा, 'जब तक हम फिर से नहीं मिलते पापा'। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने टूटे दिल वाला इमोजी भी लगाया है। हालांकि, अब तक उनके निधन का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। हाल ही में एक इंटरव्यू में सामंथा ने अपने पिता के साथ तनावपूर्ण रिश्तों के बारे में भी बात की थी। उन्होंने कहा था, 'जब मैं बड़ी हुई तो मुझे पूरी जिंदगी संघर्ष करना पड़ा है। मेरे पिता कुछ इस तरह के थे। मुझे लगता था कि भारतीय माता-पिता शायद ऐसे ही होते हैं, जो यह सोचते हैं कि वे हमारी रक्षा कर रहे हैं। लेकिन इस सब के बीच, आप खुद को होशियार नहीं बना पाते।' सामंथा की पर्सनल लाइफ के बारे में बात करें तो उनका जन्म 28 अप्रैल 1987 को हुआ था। उनके पिता का नाम जोसेफ प्रभु और मां का नाम निनेट प्रभु है। उनके पिता एक तेलुगू एंग्लो-इंडियन थे, जबकि उनकी मां सीरियाई मलयाली थीं।

सेंसर बोर्ड ने पुष्पा 2 को दी हरी झंडी

मोस्ट अवेटेड फिल्म पुष्पा 2 अगले महीने 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। लीड एक्टर अल्लू अर्जुन ने एक पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी है कि फिल्म को CBFC की तरफ से U/A सर्टिफिकेट मिल गया है। वहीं CBFC ने फिल्म के तीन डायलॉग और कुछ सीन्स में बदलाव करने के लिए निर्देश दिए हैं। साथ ही तीन अपशब्दों को म्यूट करने का सुझाव भी दिया है। इन बदलाव के बाद ही फिल्म निर्धारित दिन पर रिलीज हो सकती है।

200.38 मिनट है फिल्म का रनटाइम

सेंसर सर्टिफिकेट में कहा गया है कि फिल्म का रनटाइम 3 घंटे 20 मिनट और 38 सेकंड (200.38 मिनट) है। वहीं फिल्म के पहले पार्ट पुष्पा का रनटाइम 2 घंटे 59 मिनट का था। एक साल पहले रिलीज हुई फिल्म एनिमल का रन टाइम 203 मिनट था। रणबीर कपूर स्टारर यह फिल्म ब्लॉकबस्टर थी। अब यह देखना बाकी है कि क्या पुष्पा 2 इन फिल्मों का रिकॉर्ड तोड़ पाती है या नहीं।

मलयालम अभिनेता की कंपनी पर आयकर विभाग के छापे

आयकर विभाग (आईटी) ने मलयालम फिल्मों के अभिनेता सौबिन साहिर की प्रोडक्शन कंपनी के कोच्चि कार्यालय पर छापेमारी की। यह कार्रवाई एसआरएम रोड स्थित परवा फिल्म्स और पुल्लेप्पडी स्थित ड्रीम बिग डिस्ट्रीब्यूटर्स पर एक साथ की गई। गुरुवार दोपहर में शुरू हुई छापेमारी देर शाम तक जारी रही। आयकर विभाग ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा मशहूर फिल्म 'मंजुम्मेल बॉयज' के निर्माण में कथित वित्तीय विसंगति के लिए की गई जांच के बाद यह कार्रवाई की है। सौबिन इस फिल्म के निर्माता हैं और श्रीनाथ भासी के साथ अभिनय भी किया है।

'वॉर 2' से जुड़े तीन एक्शन निर्देशक

ऋतिक रोशन, जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी जैसे सितारों से सजी वॉर 2 बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म को मशहूर निर्देशक अयान मुखर्जी निर्देशित कर रहे हैं। इस फिल्म ने घोषणा के बाद से ही दर्शकों का ध्यान आकर्षित कर लिया है। फिल्म को लेकर फैंस की जबर्दस्त उत्सुकता को देखते हुए निर्माता इसमें किसी तरह की कोई कमी नहीं छोड़ना चाहते हैं। इस वजह से फिल्म के निर्माताओं ने इसके क्लाइमैक्स को शानदार सिनेमाई अनुभव बनाने के लिए हॉलीवुड के एक्शन निर्देशकों को फिल्म से जोड़ा है, जिन्होंने वेनम, ऐज ऑफ अल्ट्रॉन, के साथ-साथ जवान और पठान जैसी फिल्मों का एक्शन निर्देशित किया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसके शानदार एक्शन सीक्वेंस के लिए तीन मशहूर एक्शन निर्देशकों को फिल्म से जोड़ा गया है, जिनमें अमेरिकी स्टंट कोर्डिनेटर स्पाइरो रजाटोस, सी योंग ओह, और सुनील रोड्रिग्स हैं।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पॉन्सिबिलिटी है

अडाणी के मुद्दे पर विपक्ष का हंगामा, कार्यवाही स्थगित

दिल्ली की सुरक्षा पर AAP सांसदों का प्रदर्शन

एजेंसी । नई दिल्ली

संसद के शीतकालीन सत्र का शुक्रवार (29 नवंबर) को चौथा दिन है। कांग्रेस ने सदन की कार्यवाही शुरू होते ही कांग्रेस सांसदों ने अडाणी मुद्दे पर हंगामा किया। हंगामे के बीच लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने सभी सांसदों से शांत करने की अपील की। ओम बिरला ने कहा कि लोकतंत्र में सभी को सहमति और असहमति जाहिर करने का अधिकार है। हालांकि, मुझे उम्मीद है कि विपक्षी सांसद, सदन को चलने देंगे। इसके बावजूद विपक्षी सांसद शांत नहीं हुए तो लोकसभा स्पीकर को सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी।

AAP सांसदों ने किया प्रदर्शन

सत्र शुरू होने से पहले आम आदमी पार्टी के सांसदों ने प्रदर्शन किया। आप सांसदों ने कहा कि दिल्ली में लगातार कानून व्यवस्था बिगड़ती जा रही है। संजय सिंह और राघव चड्ढा के साथ ही पार्टी के दूसरे सांसदों ने हाथ में तख्ती लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

राज्यसभा में भी अडाणी मुद्दे पर हंगामा

अडाणी का मुद्दा शुक्रवार को राज्यसभा में भी हंगामा हुआ। विपक्षी सांसदों ने राज्यसभा की कार्यवाही शुरू होने के साथ ही अडाणी का मुद्दा उठाया। कांग्रेस के सांसद शोर-गुल करने लगे। राज्यसभा के स्पीकर जगदीप धनखड़ ने विपक्षी सदस्यों को शांत कराने की कोशिश की। इसके बाद भी जब कांग्रेस और दूसरे विपक्षी सांसद शांत नहीं हुए तो सदन की कार्यवाही दो दिसंबर तक के लिए स्थगित कर दी। बता दें कि बुधवार को राहुल गांधी ने अडाणी पर अमेरिका में 2 हजार करोड़ की रिश्वत देने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार उन्हें बचा रही है। बुधवार को संसद में प्रियंका गांधी ने वायनाड से सांसद पद की शपथ ली। उनके साथ उनकी मां सोनिया गांधी और भाई राहुल गांधी भी मौजूद थे।

न्यूज़ ब्रीफ

तीन माह में 130 से अधिक बेसहारा पशुओं को पकड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम ने बीते तीन माह के दौरान 130 से अधिक बेसहारा पशुओं को पकड़ा है। साथ ही अवैध डेयरियों के खिलाफ कार्रवाई की है। निगम प्रशासन के पशु चिकित्सा विभाग ने सभी जोन में सितंबर से लेकर नवंबर के दौरान यह एक्शन लिया है। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली में कई जगहों से लोगों ने सड़कों, चौराहों पर घूम रहे पशुओं की शिकायतें की थी। इन पशुओं के कारण कई बार दुर्घटनाएं भी हो गई हैं। इसी को देखते हुए नगर निगम ने इनके खिलाफ अभियान चलाया।

सज्जन कुमार के खिलाफ लगे आरोप पर 16 दिसंबर को फैसला

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार पर 1984 के दंगों में हत्या के आरोप मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट 16 दिसंबर को अपना फैसला सुनाएगी। यह मामला सिख विरोधी दंगों के दौरान सरस्वती विहार इलाके में दो लोगों की कथित हत्या से जुड़ा है। अदालत ने सिख विरोधी हिंसा के दौरान एक नवंबर 1984 को जसवंत सिंह और उनके बेटे तरुणदीप सिंह की हत्या से संबंधित मामले में अंतिम दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। पंजाबी बाग पुलिस स्टेशन ने शुरू में मामला दर्ज किया था, लेकिन बाद में एक विशेष जांच दल ने जांच अपने हाथ में ले ली थी।

दिल्ली-एनसीआर में 15 जगह ईडी रेड, 1.3 करोड़ रुपए कैश जब्त

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दो दिन पहले दिल्ली और एनसीआर में तत्कालीन क्वालिटी लिमिटेड और तत्कालीन प्रमोटर/निदेशक संजय ढींगरा, सिद्धांत गुप्ता और उनसे संबंधित अन्य फर्जी कंपनियों से संबंधित 15 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। अब एजेंसी ने बताया है कि उसे तलाशी अभियान के दौरान, 1.3 करोड़ रुपए की नकदी और विभिन्न आपत्तिजनक साक्ष्य मिले हैं। इसके अलावा लगभग 2.5 करोड़ रुपए के निवेश मूल्य वाले डीमैट खातों को जब्त कर लिया गया है।

8 राज्यों में कोहरा, लाहौल-स्पीति में तापमान 11 डिग्री

नई दिल्ली/ भोपाल। देश के उत्तरी राज्यों के साथ-साथ अब मध्य भारत के राज्यों में भी ठंड का असर लगातार बढ़ रहा है। मौसम विभाग ने 8 राज्यों में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। इनमें हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, ओडिशा और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। उत्तर भारत के राज्यों में बर्फबारी के कारण हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर फिलहाल सबसे ठंडे राज्य हैं। मौसम विभाग ने बताया हिमाचल के लाहौल स्पीति में रात का तापमान माइनस 11 डिग्री तक पहुंच गया है।

अरुणाचल प्रदेश आएंगे उपराष्ट्रपति धनखड़

ईटानगर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ शनिवार को एक दिवसीय यात्रा पर अरुणाचल प्रदेश जा रहे हैं। वे यहां एक केंद्रीय विश्वविद्यालय की दीक्षांत समारोह में भाग लेंगे। एक अधिकारी ने बताया कि उपराष्ट्रपति अपनी यात्रा के दौरान राज्य विधानसभा के आठवें सत्र के एक विशेष सत्र को भी संबोधित करेंगे, इसके बाद वे दिल्ली वापस लौटेंगे।

कोंकण रेलवे को बड़े बदलाव की जरूरत : रेल मंत्री

एजेंसी । नई दिल्ली

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में एक लिखित जवाब में बताया कि कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड का बुनियादी ढांचा 25 साल से भी ज्यादा पुराना हो चुका है, इसलिए यातायात सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूंजीगत परिसंपत्तियों के बड़े नवीनीकरण की जरूरत है।

केआरसीएल के पांच शेयरधारक : रेल मंत्री

उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे के प्रतिस्थापन के लिए बड़े पूंजीगत व्यय की जरूरत है और केआरसीएल के पांच शेयरधारकों – रेल मंत्रालय, महाराष्ट्र सरकार, कर्नाटक सरकार, गोवा सरकार और केरल सरकार – से रेल मंत्रालय ने पूंजीगत व्यय में योगदान देने या मंत्रालय के पक्ष में अपना हिस्सा छोड़ने के लिए संपर्क किया है।

रेलवे ने त्योहारी महीनों में यात्री सेवाओं से 12,159 करोड़ रुपए जुटाए : सरकार

केंद्र सरकार ने लोकसभा को एक लिखित जवाब में बताया कि 2024 में सितंबर और अक्टूबर के त्योहारी महीनों के दौरान यात्री सेवाओं से रेलवे का राजस्व 12,159 .35 करोड़ रुपए था। दरअसल, टीएमसी सांसद माला रॉय ने त्योहारी महीनों के दौरान टिकट बिक्री और रद्दीकरण के माध्यम से रेलवे की आय के बारे में सवाल उठाए थे। इस पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि 1 सितंबर से 31 अक्तूबर, 2024 तक भारतीय रेलवे का यात्री राजस्व 12,159 .35 करोड़ रुपए है।

मणिपुर में 13 दिन बाद खुले स्कूल-कॉलेज

- जिरीबाम हिंसा के बाद से बंद थे
- 5 जिलों में कर्फ्यू में ढील, इंटरनेट पर बैन लागू

एजेंसी । इंफाल

13 दिनों तक बंद रहने के बाद इम्फाल और जिरीबाम में स्कूल और कॉलेज शुक्रवार को फिर से खुल गए। एजुकेशन डायरेक्टरेट ने गुरुवार को इंफाल ईस्ट, इंफाल वेस्ट, बिष्णुपुर, काकचिंग, थौबल और जिरीबाम जिलों में स्कूल दोबारा खोले जाने का आदेश दिया था। हायर एंड टेक्निकल एजुकेशन डिपार्टमेंट ने भी सभी सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेज और स्टेट यूनिवर्सिटीज को शुक्रवार से ही खोलने के आदेश जारी किया था। जिरीबाम में सुरक्षा बलों और कुकी उग्रवादियों के बीच गोलीबारी के बाद 16 नवंबर से सभी स्कूल और कॉलेज बंद थे।

10 उग्रवादी मारे गए

झड़प में 10 उग्रवादी मारे गए थे। इसके बाद उग्रवादी राहत शिविर से एक मैतेई परिवार के छह लोगों को अगवा कर ले गए थे। कुछ दिनों बाद मणिपुर और असम में जिरी और बराक नदियों में उनके शव मिले थे। राज्य सरकार ने शुक्रवार को घाटी के सभी पांच जिलों और जिरीबाम में सुबह 5 बजे से शाम 4 बजे तक कर्फ्यू में ढील दी है। ताकि लोग जरूरी चीजों और दवाओं की खरीदारी कर सकें। साथ ही कहा है कि इस दौरान बिना परमिशन कोई भी सभा/धरना/रैली नहीं होगी। हिंसा भड़कने के बाद से इंफाल वेस्ट, इंफाल ईस्ट, बिष्णुपुर, थौबल, काकचिंग, कांगपोकपी, चुराचांदपुर, जिरीबाम और फेरज़ॉल समेत 9 जिलों में मोबाइल इंटरनेट और डेटा सेवाएं बंद हैं।

SIT ने तिरुपति लड्डू में मिलावट के आरोपों की जांच शुरू की

एजेंसी । तिरुपति

आंध्र प्रदेश में पांच सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) ने पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के लड्डू प्रसाद में मिलावट के आरोपों की जांच शुरू कर दी है। राज्य पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर एसआईटी का गठन

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने महीने की शुरुआत में पांच अधिकारियों की एक एसआईटी बनाई। इसमें दो सीबीआई, दो आंध्र प्रदेश पुलिस और एक एफएसएसएआई के अधिकारी शामिल हैं। शीर्ष कोर्ट ने आदेश दिया था कि तिरुपति लड्डू बनाने में पशुओं की चर्बी के इस्तेमाल के आरोपों की जांच के लिए एक स्वतंत्र एसआईटी गठित की जाए।

लड्डू प्रसाद में मिलावट के आरोपों की जांच शुरू : पुलिस अधिकारी

एसआईटी के सदस्य और आंध्र प्रदेश पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी ने बताया कि जांच शुरू हो चुकी है। हालांकि उन्होंने पूरी जानकारी नहीं दी। सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी ने तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के रिकॉर्ड की जांच की है, जिसमें पिछली सरकार के दौरान घी की खरीद और उसकी गुणवत्ता की प्रक्रिया की जांच की गई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि एसआईटी की जांच उस प्राथमिकी पर आधारित है, जो राज्य सरकार ने तिरुपति पूर्व थाने में इस मुद्दे पर दर्ज की थी।

एन चंद्रबाबू नायडू ने पिछली वाईएसआरसीपी सरकार पर लगाया था आरोप : सुप्रीम कोर्ट ने अपने चार अक्तूबर के आदेश में कहा था (लड्डू में) पशुओं की चर्बी के आरोपों की जांच सीबीआई की निगरानी में एसआईटी करेगी। यह आदेश भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी और वाईएसआरसीपी के राज्यसभा सांसद वाईवी सुब्बा रेड्डी सहित अन्य की याचिकाओं पर दिया गया था। इससे पहले आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने सितंबर में आरोप लगाया था कि पिछली वाईएस जगन मोहन रेड्डी सरकार के दौरान तिरुपति लड्डू बनाने में पशुओं की चर्बी का इस्तेमाल किया गया था, जिससे राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया था।

एलजी ने सीएजी रिपोर्ट पटल पर रखने के लिए सीएम को पत्र लिखा

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मुख्यमंत्री आतिशी को एक पत्र लिखते हुए नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट को विधानसभा में पेश न करने को लेकर गंभीर आपत्ति जताई है। उपराज्यपाल ने पत्र में कहा है कि सीएजी रिपोर्ट को विधानसभा के पटल पर रखना एक संवैधानिक आवश्यकता है, जिसे दिल्ली सरकार लगातार अनदेखी कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार सार्वजनिक खर्च और अपने प्रदर्शन को लेकर पारदर्शिता से बच रही है। उन्होंने लिखा है कि सीएजी केवल वित्तीय अनुशासन की जांच नहीं करता, बल्कि सार्वजनिक खर्च के परिणामों की प्रभावशीलता का भी मूल्यांकन करता है। दिल्ली सरकार द्वारा इस रिपोर्ट को विधानसभा में पेश न करना संवैधानिक प्रक्रिया की अनदेखी है।

आतिशी की प्रशंसा

उपराज्यपाल ने लिखा है कि उन्होंने इस मुद्दे को फरवरी 2024 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सामने और अगस्त 2024 में विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष भी उठाया था। इसके बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उपराज्यपाल ने लिखा है कि यह विडंबना है कि एक सरकार, जिसने पारदर्शिता और जवाबदेही के वादों पर जनादेश हासिल किया था, अब विधानसभा के समक्ष अपने प्रदर्शन और खर्च का हिसाब देने से बच रही है। उपराज्यपाल ने आतिशी की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक योग्य और जनप्रिय नेता बताया और विश्वास जताया कि वे इस मुद्दे पर उचित कदम उठाएंगी।

दिल्ली चुनाव को BJP तैयार, 43 कमेटियों का ऐलान

नई दिल्ली। दिल्ली में अगले साल फरवरी में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भी अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। दिल्ली भाजपा ने गुरुवार को चुनाव संबंधित कामों के लिए 43 समितियों की घोषणा की, जिनमें महिलाओं, युवाओं, अनुसूचित जातियों, अन्य पिछड़ा वर्गों और केंद्रीय योजना के लाभार्थियों से संपर्क स्थापित करने का अभियान शामिल है। 70 सदस्यीय दिल्ली विधानसभा के लिए चुनाव फरवरी में होने हैं। पार्टी के एक बयान के अनुसार, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के निर्देशानुसार समिति के सदस्यों के नाम घोषित किए गए। इन समितियों का गठन चुनाव से जुड़े विभिन्न कार्यों के लिए किया गया है, जिसमें नामांकन, मीडिया रिलेशन, अभियान की रूपरेखा, सोशल मीडिया, दस्तावेजीकरण, डेटा मैनेजमेंट, विशेष संपर्क और लॉजिस्टिक्स आदि शामिल हैं।

2800 करोड़ के चिटफंड धोखाधड़ी मामले में पिता-पुत्र गिरफ्तार

अच्छे रिटर्न का वादा कर निवेशकों से हड़पी रकम

एजेंसी । कोलकाता

प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉड्रिंग से जुड़े 2800 करोड़ के चिटफंड धोखाधड़ी मामले में कोलकाता से पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है। दोनों ने अच्छे रिटर्न का वादा करके निवेशकों से रकम हड़पी। गिरफ्तारी के बाद ईडी ने दोनों को मनी लॉड्रिंग एक्ट की विशेष अदालत में पेश किया। जहां से दोनों को 10 दिन के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया गया।

अलग–अलग राज्यों के लाखों निवेशक प्रभावित : प्रयाग ग्रुप ऑफ कंपनीज के सीएमडी बासुदेव बागची और उसके बेटे अविक बागची के खिलाफ चिटफंड धोखाधड़ी मामले में शिकायत के बाद ईडी ने 26 नवंबर को कंपनी के कोलकाता और मुंबई परिसरों में छापेमारी की थी। दोनों आरोपियों ने मासिक आय योजना, वरीयता शेयर और क्लब सदस्यता प्रमाणपत्र के नाम पर लोगों से 2800 करोड़ रुपए जमा कराए। साथ ही उच्च रिटर्न देने का वादा किया। ईडी ने कहा कि 1900 करोड़ रुपए अब तक निवेशकों को लौटाए नहीं गए हैं। प्रयाग ग्रुप ऑफ कंपनीज सेबी, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की अनुमति के बीच अवैध रूप से चल रही थी।

तनाव

हिंदुओं पर बढ़ते अत्याचार पर विदेश मंत्रालय सख्त

भारत और बांग्लादेश के बीच बढ़ी टेंशन

एजेंसी । नई दिल्ली

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा थम नहीं रही है। हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद से हिंदू समुदाय के खिलाफ कट्टरपंथियों के हमले और तेज हो गए हैं। इस बीच भारतीय विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश के हालात पर एक बार फिर चिंता व्यक्त की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत ने बांग्लादेश सरकार के समक्ष हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर हमलों और धमकियों के मुद्दे को लगातार और मजबूती से उठाया है। मंत्रालय ने कहा कि बांग्लादेश में अंतरिम सरकार को सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। हम उग्रवादी बयानबाजी, हिंसा और उकसावे की बढ़ती घटनाओं से चिंतित हैं। भारतीय विदेश मंत्रायल ने कहा कि इन घटनाक्रमों को केवल मीडिया द्वारा बढ़ा-चढ़ाकर बताया जाना नहीं माना जा सकता। दरअसल, बांग्लादेश की सरकार ने हिंदुओं पर बढ़ती हिंसा को भारतीय मीडिया द्वारा बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने का आरोप लगाया था। मंत्रालय ने कहा कि हम एक बार फिर बांग्लादेश से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए सभी कदम उठाने का आह्वान करते हैं। संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी पर मंत्रालय ने कहा कि जहां तक व्यक्तियों के खिलाफ मामलों का सवाल है तो हमने पाया है कि कानूनी प्रक्रियाएं चल रही हैं।

इस्कॉन एक प्रतिष्ठित संगठन

बांग्लादेश में चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हम इस्कॉन को एक विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित संगठन के रूप में देखते हैं। इसका सामाजिक सेवा का एक मजबूत रिकॉर्ड है। जहां तक चिन्मय दास की गिरफ्तारी का सवाल है तो हमने इस पर अपना बयान दिया है। कानूनी प्रक्रियाएं चल रही हैं। हम आशा करते हैं कि इन प्रक्रियाओं को निष्पक्ष, न्यायसंगत और पारदर्शी तरीके से निपटाया जाएगा।

अडानी मामले पर क्या बोला विदेश मंत्रालय?

अडानी मामले पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि यह एक कानूनी मामला है। इसमें निजी फर्म और व्यक्ति व अमेरिकी न्याय विभाग शामिल हैं। ऐसे मामलों में स्थापित प्रक्रियाएं और कानूनी रास्ते हैं, जिनका हमें विश्वास है कि पालन किया जाएगा। भारत सरकार को इस मुद्दे के बारे में पहले से सूचित नहीं किया गया था। हमने इस मामले पर अमेरिकी सरकार से कोई बातचीत भी नहीं की है। किसी विदेशी सरकार द्वारा समन/गिरफ्तारी वारंट की तामील के लिए किया गया कोई भी अनुरोध आपसी कानूनी सहायता का हिस्सा है। ऐसे अनुरोधों की योग्यता के आधार पर जांच की जाती है। हमें इस मामले में अमेरिकी पक्ष से कोई अनुरोध नहीं मिला है। यह एक ऐसा मामला है जो निजी संस्थाओं से संबंधित है और भारत सरकार इस समय कानूनी रूप से किसी भी तरह से इसका हिस्सा नहीं है।

स्वच्छ भारत मिशन ने 70 हजार शिशुओं की बचाई जान

- लोकसभा में लिखित में जवाब देते हुए नड्डा ने दी जानकारी

एजेंसी । नई दिल्ली

स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) ने बच्चों की मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने शुक्रवार को संसद में इसकी जानकारी दी। लेख में बताया गया कि स्वच्छ भारत मिसन के जरिए 60,000 से 70,000 शिशुओं की जान बचाई गई है, जिससे देश भर में शिशू और पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर में कमी देखने को मिली।

सैंपल रेजिस्ट्रेशन सिस्टम की रिपोर्ट जारी

सैंपल रेजिस्ट्रेशन सिस्टम की एक रिपोर्ट के अनुसार, आंध्र प्रदेश में शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) 2014 में प्रति 1000 जीवित बच्चों पर 39 से घटकर 2020 में प्रति 1,000 जीवित बच्चों पर 24 हो गई है। तेलंगाना में मृत्यु दर 100 जीवित बच्चों पर 35 से घटकर 21 हो गया है। लोकसभा में एक सवाल का लिखित में जवाब देते हुए नड्डा ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय देश में बच्चों की जीवन दर में सुधार के लिए वार्षिक कार्यक्रम कार्यान्वयन योजना (एपीआईपी) के आधार पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत प्रजनन, मातृ, नवजात, बाल, किशोर स्वास्थ्य और पोषण के लिए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सहायता प्रदान करता है।